#### यगुव ग्वीयायप्रकेव देव रें केया अहं द प्रते स्वा

वर्गे नर्हेंन



र्स्त्र-विद्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र स्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-प्रत्यान्त्र-विष्यान्त्र-प्रत्यान्त

यष्टित्र

ख्यान्त्री विक्राम्यात्रीय स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वा

श्ची-या,शुन्त्य-कूच्यत्दीं स्टान्ट्रिंगःसेच-यमेटाःचा थेशःचता,णःसूवाबःश्चे-अञ्चलाकास्यां वाष्ट्र-प्रस्वाबःश्चे-श्चान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां सेचाःश्चे-स्वान्यां स्वान्यां स्वा

यद्रप्तः श्चेतः वित्राची वित्

र्ये मोर्नर पर्वेषाय करा श्रेन् श्रे में मार्य पर पर पर्वे चर्त स्वेपय पर मार्चिषय केंद्र संग्रेन पर से प्रा

ट्टी च्ट्टिन्य, श्रें पूर्व, ज्यान क्रीं प्रकृष श्रु के स्थान क्रिं प्रकृष प्र

ळॅं न्द्रा में का खेला खेला खेला खेला है ने मुका है के प्रायम पर्दे के प्रायम प

ॱॻॗ८ॱॸॖॼॖ८ॱॺॏॺॱॺॕॸ॔ॱ॓ॻॖॆॱॴॺ॔ॱॸॕॕक़ॱॴॱॿॕॺऻॱॺॿय़ॱॺॸॱॺऻॹॖ॑ॺॱॸ॔ॖॱॺऻॿय़ॱॸक़ॣऀॸॱॸ॔ड़॑ॱॠॕॗॸॱॸ॔ॸॱऻॱॱॺॾॕॱॸऀॺॱॴॿॖॺऻॺॱॿॖॎॸॱॺऻॿ॓ॺऻॺॱॠॗॕॸॱ दें अक्टर अब भेब जोबंब र भेवें। वेंदर की अर्थे दें अप्यान हींदर र केंबर याद र प्रवास केंद्र र मुंग प्रवास केंद्र र मुंग दर देंदर होंग है अप केंद्र र में केंद्र र मेंद्र र में केंद्र र में केंद्र र मेंद्र मे मुबिमबर्ब्सुट्मंतरान्दरान्दरान्यां विश्वनवर्षा के वास्तरान्त्र के सम्बद्धान के दिन्न के स्वतंत्र के स् कूर्यायः इटा अर्वायाः ग्री अर्ड्या क्रिया त्वरात्या तीया विश्वास्थ्य स्था तीया क्षेत्र स्थाया क्षेत्र स्थाया में विश्वास्थ्य स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया स् युत्र-श्री श्राष्ट्र-प्रति त्री त्र क्ष्या वित्र क्ष्या क्षया वित्र क्ष्या क्ष्य क्ष्या क्ष् म्डॅ न्दं है। के मुकारीय स्वाय के प्रमाय के प् द्या दे.क्षे.वेपट्र.ट.क्र.तूर्ट्य प्राच्य क्र.क्र.क्ष्य क्षेत्र क् यंत्र अ द्वार प्रमास्त्र प्रमास्त्र वा वात्र वात

क्षेत्राय्यायात्त्रीट्रायात्र्यात्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रत्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र

२स.कुर्व.त्रुप.रचा.सेवाय.क्रुय.क्र्य.मूंज.चेया ्रेर.चर्डेब्र्ज्ञब्र्चुअःपठिषाः शुराशुराशुरानुसः म्यावब्रान्दे तह्याबायायावात्रीवा विषर नहें ते विष्यं र प्राप्त के प्रमान के प्र न्यमार्चेन स्नेन न्यमान्यस्य विकार मेहे से विमानी हामार्चेते हो स्विमाना स् केषाचेरावर्षेत्रात्रा विक्रीरियंपाचेरावष्ठिपार्वेतावर्षाणा । विषया क्षेत्राविष्या क्षेत्रावर्षेत्रा क्षेत्राचे तृष्विण वर् विणूष अंविषु केंद्र ने देश में मुंचे हों ने हिंग वर्ष ने राज्य में किया के प्राप्त के राज्य के राज् ष्ठि वर्रा पृत्रेष्य क्षे व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र प्रमाणियां क्षेत्र क्षेत्र प्रमाणियां क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वाया स्वर्ण क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रमाणियां क्षेत्र क ॷण्यांन्दा कुण्यारकी त्या क्वित्रात्व विश्वित के विद्वा क्वित्र के क्वित के कि त्या के कि त्या के कि त्या के कि वीर्षाचेर त्रिष्ठा विंद तह वार्ष वाहिर पदि विंद रूप के जुन की जुन के विंद के दिया है के कि का प्रति के कि की कि इंगठेगाङ्ग्रीयाग्रीकां अनुअन्तरार्धेगाञ्चेरायद्विगार्वेरायहगाँकासुँ चेरायद्विगायायेराजुरार, सुरायं राया प्रकास क्षे.या.विज्ञा हुन्दरप्रविचा व्रज्ञाय प्रचान अर्थे त्ये प्रचान विज्ञा हुन्दर्भ क्षे. क्षे.विज्ञा हुन्दरप्रविचा हुन्दर्भ विज्ञा मैं त्या र्वेदे क्रिंग हुब क्रेंट चत्र त्रित्त के क्रिंग किंच के क्रिंग बिन विवेद में अध्याय क्रिंग क्रिंग क्रुंट क्रिया वेदे त्र मुख्य विवेद में ह्यें त्र स्यास्त्र सहित हो त्र प्राप्त प्राप्त हो हो हो हो है त्र स्वाप्त है त्य क्रूबाग्री देव वेर द्वानर्गे द व्याद्वार से देव

हरानी तर्ने वित्रत्ना कें केंद्रे राज्य होता हुन का का निवास के किया के किया के किया के किया के किया के किया क इते हैं के केंद्र के किया के केंद्रे राज्य होता है के किया के

लटब नर्श्वेटब तर्मेल में नर्में वा स्वायन के निर्मा निर्माय के निर

याबर यहेरे पबार हिंदी सं ए यावे पहेर थें न

चूर् कूर्य थे. ट्रं जूवा वृद्, पर्विवा वैद्, हुया थी विद्यार विद्या विद्या पर्वे प्राप्त विद्या थी. विद्या चर्ड्य चर्चेर भ्रा में देव के प्राप्त कर हो र प्रमें देव देव में प्रमें देव हो ता के प्रमान के प्रमें के प्रमें ·यापानिष्ट्ररान्विषां प्रदे!रे त्रंत्र प्राप्ता कुयापठिषार्थे व वित्र क्षेत्र क्षेत ग्रीट्रिट्यात्वयः क्षेत्रां मात्रुव्याचीत्रः स्वतः त्रवात्रः स्वतः तवा वी बाचर वर्षे में प्राण्डी प्रवाध प्रकर प्रमुख कर्षा निष्ठे हैं बाह्य प्रवाध करें कि प्रवाध करें कि प्रवाध में प्रवाध के प्रवाध प्रवाध प्रवाध प्रवाध करा में कि प्रवाध करें कि प्रवाध करें कि प्रवाध के प् चर्गाबाचर्गोत् क्रुन् तद्देव बेट च्रव लेखा खुण्या साण्टिं रात्रा ट्रिया से प्रस्ता चर्चे द्वार वर्षे वर्षा वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व त्रक्षमा श्रीत्र प्राप्त प्र प्राप्त · र्वेद : क्रीट : ग्री : व्यव : वेद : क्रीव बर में अट कूर्य ब. ग्री ब. कूर जीय ब. ही ट. हुं ज. कूर्य के ब. हें ब. हूं ब. हूं व. हूं व. हें व. हें ज्या हो ट. व. हें ब. हें व. हैं व. हें व. हैं व. हें व. हैं व. हैं व. हें व. हें व. हैं र्यूबान्य न्त्री विषया महित्य क्षेत्र मुक्त मुक्त क्षेत्र मुक्त मुक्त क्षेत्र मुक्त मुक्त क्षेत्र मुक्त मुक् म्बर्यान्य म्बर्याय म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्याय म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्यान्य म्बर्याय म्वय म्बर्याय म्वयस्य म्बर्याय म्बर्याय म्बर्याय म्बर्याय म्बर्याय म्वयस्य म्वयस् 

**॔**ॺॴऄॣ॔ॺॱॻॺॖॸॱॸॱॸ॒ॸॱऻ र्वेन हिंद्या ग्री में त्येवा बेट त्युवा हिंद स्पेट्या द्या वितायहरी ८ॱळॅंतें 'र्कें तेंति' तर्नेंद्र' त्हुंत्य वार्वाया चेंद्र' नर्हेंद्र' पति 'वें 'श्लानवार्वेद 'श्ली 

ৰুষ:শ্ৰ্নী

र्नु देशरा के केंद्रि निरामी तिमारिया। विराधिका विधान प्रमासिया में प्रमासिया में मिला के मिला र्घेषाः पर्वे (तर्घेषाः पर्वा निवा में वाक्षियः पर्वे प्राप्त प्राप्त क्षेत्रः यह त्या विश्व क्षेत्रः विश्व कष प्रमुल होला

वया खेब हुर पर्टूब नियान स्टा व्हर्या पर्टेष क्रियान क ्रहेंया क्षे. प्रांचया क्षेत्र क् चन्नुव पते प्रति के 

नर्ना निविष्य के प्राप्त के प्राप म्हिं श्रीन् निर्मा श्रीन् त्री व त्रामा निष्ठ ने श्री व निर्मा के त्री निर्म के त्री निर्मा के त्री निर्मा के त्री निर्मा के त्री निर्मा के दॅन क्रॅंट ब्रेंच पति है। न्यर मान क्रंट मं पार्के ते चेंच ब्रेंट मं पायर प्रांतियां हुन क्रेंच क्रेंच के मान कर माने प्रांतियां हुन क्रेंच क्र चर्झे, निर्दे त्य प्रस्ति विकास स्वाप्त स्व

च्रें क्रूर्यरे र्यंत्रे र्यंत्रे र्यंत्रे क्रूयेय स्ट्रं लेवयं क्रि. जंश रे प्रमेश्चेर तार्थे अध्या मेलं क्रि क्रि. यार्थे क्रि. विवास क्रि. ह्म सुद केंग्रेस परे केंद्र केंग्रेस के केंद्र केंग्रेस केंद्र के त्रे मिल्या कार्या कार्या के के स्वापत के स ्रेष्टे ग्विं म्वाच्यात्रात्र्वा प्रश्चेत्र केटा प्रचटा हेवे श्वे प्रवेश अर्थ अर्थ केटा पर्वे प्रवेश केटा प्रवेश प्रश्चेत्र प्रवेश प्रव द्र्यस्य नर् क्रिन् के त्यं क्रिं न्यं क्रिं स्वार्श ह्यें न्यं क्रिं के त्ये के त्ये क्रिं म्यं क्रिं म्यं क्रिं स्वार्थ क्रिं महिष्य स्वार्थ क्रिं स्वार्य क्रिं स्वार्थ क्रिं स्वार्थ क्रिं स्वार्य क्रिं स्वार्थ यान्या विवासीन्त्री नुगायाय्या विवास व द्यातक्ष्रयम् क्री वित्रवन्त्रत्रयम् व्यम् हेर्न्य क्रित्य सुन्य सुन्य स्थानसुन्य । स्थानस्थानस्य स्थानस्य स्थ चबुबर्रास्ट्रिट्याक्चीत्रयायक्क्रिर्द्रा दिवांचाबुबा वस्तुर्देचकेषेवी वस्तुरायकी पत्नीशायकी प्राप्ति वार्षित्र कुन्य-दर्भ व्यवस्थिः स्रोटः वृत्तिः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त् विद्यान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्र संविष्णुं स्विष्णुं स्वर्णा स 

ॱॿॖॴॺॱॸॣॸॱॹॖ॑ज़ॱढ़ॼॺॱक़ॖॆढ़ॱॺ॔ॱॿॕज़ॱॴढ़ॏॱख़॑ॺॺॱॸढ़ॱ॔ॺढ़ॺॱॸ॑ॺॕॕॺॱॴढ़ॏज़ॱॸऀॸऻॱॱढ़ॸऀॱॿऀॱॻऻढ़ॕॱक़॓ॸॱॾॖॸॺॱक़॓ढ़ॱॻॗॏॿॱॸऻॾऀॸ॔ॱॹॗऀॱग़ॗढ़ॱॺ॔ॱॻ<u>ॗ</u>ॸॱ 

ची-लिन् प्रमान क्षेत्र स्वाद्य स्वाद स्वाद्य स्वाद स्वाद

नंर्क्केन्द्रिन्देन्यां संस्थित वर्षा होत्या प्राप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स

### 

इस्टरियोस्टर्स्योम् विश्वास्थित्वास्थित्वास्थित्वास्थित्वास्थित्वास्थित्वास्थित्वास्यस्थित्वस्थित्यस्य स्थित्व स्याप्ति । य पहुष्य स्वीर विश्वास्थित्वास्य स्वाप्ति यिष्यश्चर्यायाज्ञीयाज्ञीयाज्ञेट्ट (प्रविताक्त्रियाक्त्रायाच्च्याज्ञान्त्राच्यान्त्राज्ञान्त्राच्यान्त्राज्ञान्त्राच्यान्त्राज्ञान्त्राच्यान्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्राच्यान्त्यान्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्त्यान्ञ

#### यादर् र्रेव यहिष्या । रुषर्था याद्व यहिष्या यहिष्या ।

त्रिवाःलट्यासीलाः ट्राच्यून् सूर्यायाः सूर्यायाः सूर्याताः सूर्यायाः स्वाचाः स्वाचाः स्वाचाः सूर्यायाः सूर्याय भूतः प्रकृतः प्रचायाः प्रचायाः सूर्यायाः सूर्यायः सूर्यायाः सूर्यायः सूर्यः

कर्णण्यराचार्यं अधिका निर्देशका त्रिया प्रति । त्रु संग्रीया वर्षिया वर्षिया वर्षिया वर्षिया वर्षिया वर्षिया व

शर क्रुवाय चेरा विकार स्थार प्रत्याचार विकार विकार क्रिया क्रुवाय क्र

यः संतर्देनः र्श्वेदः त्र्वेदः स्वायः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्व यः सः द्रान्तः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः विद्याः विद्याः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स भ्वेदः गाः कवाः स्वयः स वीयाः वेशवान्त्र में स्वान्त्र स्वान्त्य स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वा

च्चेत्रः क्षुः अळव न वे चित्र क्षेत्रः कष्टिः क्षेत्रः कष्टिः क्षेत्रः कष्टिः कष्

अनुसारमञ्जासम्बद्धाः स्थान्त्रात्त्रस्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य विचीनुन्दी निक्षित्रसम्बद्धारम् स्थान्य स्

शे तें लप्यं वियां ने ना

बटायिलार्टी त्यथना क्ष्या त्याचा सूच्या प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्

वं अ विर क्रवयर केंद्र निरम्य क्षेत्र निरम्य क्षेत्र निरम्

त्रवान्त्रात्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त वान्त्रवान्त्यवान्त्रवान्ववान्त्रवान्त्यवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्यवान्त्यवान्त्यवान्त्यवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्त्रवान्

चीबाकुरान्ने नाबरान्ने स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्व स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष्म स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताकष्ट स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताक्ष स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्य स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्त स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्य स्वाप्ताकष्ठ स्वाप्ताकष्य स्वाप्त

त्रेंहैं ल'के 'त्रुट्'चते' सूर्ण त्रेहें द'ग्रें मा 'न्यर्ण निर्माण कें पर्वे लान सुर ग्री लेख त्राव केंद्र पित कार्य कार्य केंद्र पित कार्य कार्य केंद्र पित कार्य कार्य केंद्र पित कार्य केंद्र केंद्र पित कार्य केंद्र चिष्ठेयः क्षेचा.ची.पचिरः क्षेच्यः क्ष्यं प्रचाना राष्ट्रा क्षेयः कष्टे क्षेयः कषेयः कषे यित्र नियम्प्र प्रत्य वित्र क्ष्मेत्र प्रत्य क्ष्मेत्र वित्र क्ष्मेत्र वित्र क्ष्मेत्र क्षेत्र क्ष्मेत्र क्

बी न्यादबं साद के वाबं साद के नांब नार्के वा नांकी नांकी है। नांबी कार्टका नांदि कार्यों कार्य इयाराञ्चाळेष्णुं पुर्नू पर्देव ठवाञ्चरायाधे वायर हेर्ये वायाञ्चरायाञ्चे वायाञ्चरायाञ्चे वायाञ्चरायाञ्चर वायाची वाराया

क न्यायार्स्स् नर्द्ध मेन् ग्रीयानर्गेन् तर्द्ध्यया होन् यदे यद्दे स्वाया

हुर्न्याच्चें व रुव्यं विवा वि विवायी विवाय के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के विवाय के विवाय के प्राप्त के प् यर्देव ह्याया

५ न्यायात्रकराविषु वी सूर्वे सहव त्याक्षे न्यूने वास्त्र स्वाया के त्याया विकास के त्याया के त्य न्द्रात्नायः चार्च्यार्थेन् चार्चे चार्चे चार्चे चार्या ह्यायर्के वायान्या चार्चेन् चार्च्यावायः यान्याया ह्या क्रेंग'.द:पर्<del>चे</del>'पर:प्वाय:पा ग्रायाचुर:ह्रप:हेग'य:प्वाय:प:प्ठब:धेवा

पर्ने वया यद्वे हेर्गया स्तृ भूर द्वेट वर्न पर्ह्ने प्र र विश्वे यह स्वाया भिष्य सिर्धिया स्वाया स्वयं प्र प्र र्शेणवा की घर सुव क्षेत्र र्रा पान्य प्राप्त हो व्योधित विवास विवास की वाल की वाल प्राप्त के किया की की की विवास की विवा

ॻ<sup>ॱ</sup>ॻऻढ़ॏॱॸऀॴॱॺ॔ॱॺॖ॔॑॓॔॓॔॑ॱॺॕॸॱॸॕॸ॔ॱऄॻॱॺॏॱॸऻढ़ॕॺॱॾॗऻॸॱऄॻॱक़ॱऒॸॱय़ढ़॑॔॔॔॔॔॔॓॔॔॔॔ॵॱक़॔ॱॱऻ

<u>র শ্লন্থের ক্রী ক্রিক্তর্নির বর্ণ বা</u>

त्र श्रदःकुर्वायाची क्रवासीन्त्रीयाची तरास्त्री मान्यान्य स्तर्मा स्त्रीत्रीयाची प्रमास्त्रीयाची स्वरंभी स्त्रीयाची स्वरंभी स्त्रीयाची स्वरंभी स्वरंभी

 लबाक्चित्ं क्ष्यां अट क्षेत्रं कट अंवावां त्रं द्वा है 'क्षेत्रं वें बाह्यं वां वें त्या वां वां वें त्या वें त्या वें त्या वां वें त्या ૡઌૢૻ૾ૡ૽૽૱ૹ૽ૺ૽૽ૢ૽ૺૢૢૢ૽ૡૡૹ૽૽ૢ૽ૹ૽ૹ૾૽ૢૻૡઌ૽૽ૡ૽૽ઌ૽૽૱૽ૺૣ૽ૹ૽ૣૼઌ૽ૹ૽ૣૢૼઌ૽ૹ૽૽ઌઌ૽૽૱ઌ૽૽ઌ૽૽૱ઌ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽૱ઌ૽ૢ૽ઌ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽ૢૼઌ૽ૹ૽૽૱ૹ૽ૢૺઌ૽ૹ૽ૢૺઌૢૹ૽૽ૢૼઌ

र्थेन ५.२८.५्व.५.५७८.कून

ૹૄ૿ૼૠૢ૽ૺૼૼૼૼૼ૱ૡઽ૾ૺ૽ૼૼઌૻઌ૽૽ૺૠૢ૽ૺ૱ઌૹ૽૱૱ઌ૱ૢૼૹૹૄૢ૿ઌઌૢ૽૱ઌૢૼ૱ઌ૾૱ઌ૾૱ઌૼ૱ઌૢ૾૾૽૱૱૱૽ૢૺૢૼઌઌૢઌ૽૱૽ૹઌૹઌ૽ૼૢૺ૾ૺૢ૽ૼ૱ૹઌૡૡૼ क्. पुर. पुर. चुना च र्यं में कुना पना दर्ग व त्युच पर पर पना में में पूर् ૾ર્સુંદ કેર્ સુત્રા ૧૬૦ મે જ્ઞેર દુષ છે રેવેંદ ષર્તે ભૂર સૂદ ૐવાંષ છે. ઢવા જ્ઞેર વેં ફેવાય રદ શવા રેસ દેશ વૃદ્દિ વેંદ અર્દેર વોર્દ્દ રાવેંદ स्टानिति देव द्यार्यान्य नर्देयान् क्षेत्राचे क्षेत्राचे क्षेत्राचे त्या है त्या है त्या है त्या है त्या है त्य चर्डेब रुव की निस्त के लिया यूके क्रिंट के किया यूके क्रिंट के किया में क्रिंट के कार्य के किया में क्रिंट के कार्य के क बै प्रांतृ प्राप्ता के कि प्राप्त प्राप्त के प्राप्त प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्र मृत्यं तर्वर्राः वन् श्रे मावव त्यार्दे अर्केना पान् से निष्ठ का है। विष्ठ माया कर कि निष्ठ के त्या के निष्ठ के વલેશ અદ જ્યા વર્ષિદ ધુવ ય દુદ ફિંદ ૹૅર ફ્રુ ર્વેર અદ જ્યા કેવ ધુવ શેવા શર્વા વર્ષેત્ર છે તે પ્યવ ફ્રુંદ વશ સુભ ર્સેદ છે દુ છે . બેંદ્રા [पःवृत्रःश्चेत्रःचत्रमः तेत्रः सेन् सेन् मिन्यो । हिन् से सदतः चन्वाःवीः क्वांत्रः हिः तेन् स्वत्रः चन्वाःवीः सदतः चन्वाःवीः स्वत्रः सेन्यः स डेबं'बु'र्खे'बु'र्ळे'वाबावार्थवाबा'हे'वार्वेद शुर्वाबार्श्वेद राखेवांबावाबर राहेते 'देवेंद्वार्देव 'देद ही त्रळंबाबारा र्श्वेबारहे वाहेवा हेव ही ब्रॅंथा चुँद स्टूर सद्दर प्रदेश त्र क्रम्य पर्दे वि द्वा वी चुद घरमा सूर केंवाय त्रावी येत चुय पर पहें ता वाद सर्वेद वि विवाह संग्री सूर ळॅग्राणी र्र्राचर्डेव ठव शे लुट च लिया थेंट्री

जबू होट.क्ष्यं अर्ट.क्ष्यं य.क्री. न्याया मृषु वायम् स्थापान प्रान्यया गृषिवाया या हामा प्राप्त प्राप्त या साम बीट्यान्यान्त्रः। मृत्यान्त्र्याची त्रित्यान्त्रः यहेट्यान्या है निकान्यान्य स्त्रान्त्रः स्त्रान्त्र

य्यान्य क्षेत्र क्

यान्व वे जिस्त्र मुची हे जयानेव संक्ष्य यस सुधि विवास मूर्

स्राञ्चरणरा र्वेतर्रमासुन्नेयाम् विवादी प्रमास्त्र विवादी प्रमास्त्र विवादी स्वयाद्वर स्वयाद्वर

र्वुट वंब नबर्थ क्रिंट मंदर देंब स्र नब क्रिंग वेट रव द न ब्रूर येंद्र

અદઃશ્રુપાं શું : એવા તું : વાયા મેં એવા તું માન માને સારા કું વાયા માને કું માને કું માને કું માને કું માને કુ માને અદઃશ્રુપાં શું : પ્રાથમ કું : સાથમ કું : સાથમ કું માને કું માને કું માને કું માને કું માને કું માને કું મ

लट्याङ्गिबायायक्याञ्चा-प्रियाण्यः अस्यान्ताः स्वायद्भावा व्याण्यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्व

बैट चुन निष्येते मुल रेस निष्य निष्ये स्थान ल्यान्त्रेन्त्रत्वेन्त्रत्वेन्त्रत्वेन्त्र्वेन्त्रत्वन्द्वेन्द्रत्वान्त्र्यः विषयः व

केशं वार्षेत्र ख़ूरं नं शैंवाशं ग्री न्ही न र्षेत्।

शुष्रे, ट्रम्मा वित्र के कि त्र त्या के कि त्या के कि त्या वित्र के त्या वित्र के त्या वित्र के त्या वित्र के त तर् श्रेव प्रें न हैं तो हैं तो त्वन हैं न में हैं तो हैं तो सम्मान के बार के वार्ष के वार के वार्ष के दर्भार केंग्रें की कर केंग्रें की कर की किया की किया कि की किया की की किया की हुंबाधिवा ने क्षेत्रवर्तो विष्ठिं स्तिबं त्याया विष्ठा हुंदि विष्ठी हिंदि क्षेत्र क्षेत्र विष्ठित हुंबा क्षेत्र र्येष्ठेष्यः प्रति । व्यायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वय त्रीटः स्वयः प्रति । वितः स्वयः स्वितः स्वयः स्वीतः स्वयः स्व 

चूच्यात्र्व प्रत्यात्र विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्या विवाद्य दे पर्देश पश्चिम स्निप्तर प्रेया में अपना अपन स्थापन प्रेया प्रमाण प्रम प्रमाण स्रमित्रपूर्वित्रयान्ता वित्रपूर्वात्रवात्रयाच्यात्रम् । स्रमित्रपूर्वात्रम् स्रमित्रपूर्वित्यपूर्वित्रपूर्वित् यद् अत्यात्रा भी मार्थ देव मार्थ देव मार्थ प्रमान मार्थ प्रम मार्थ प्रमान मार्थ प्रमान मार्थ प्रमान मार्थ प्रमान मार्थ प्रम मार्थ प्रमान मार्थ प्रमान मार्थ प्रमान मार्थ प्रमान मार्थ प्रम 

बेवा

मुक्तान्त्र स्वाप्तित् वित्तित् वित्ति वित्ति स्वाप्ति वित्ति वित्ति वित्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति मुंब यर देर हुण थैंदा

## न्वत् देव न्युस्य । बेदः दर्शेन व्यक्षः स्वाकः स्वाकः

तृत्वायात्र्याः क्षेत्वायात्र्यात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्य त्रायात्र्याक्षेत्रात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् व्यव्यात्रात् ॅर्वितःक्षेत्र'हेर् वार्युवाकी सेर्वाच केत्र त्रेत्व वार्क्षे किंदा चित्र होता सम्बद्धान वार्याच्या कर्ना है। द्रभाग्नी-द्रवाबाक्षांक्ष्यां प्राप्ता होता अपन्त होता क्षेत्र त्या के अपन्त होता अपने होता अपने होता अपने होत पादरा अवश्राद्वा त्या होता अपने होता के प्रवास के प्राप्त होता अपने होता अपने होता अपने होता अपने होता अपने होत 

मी हुन्युं स्वाप्त्र क्षेत्र क्षेत द्धरः अत्वोत्रः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः कष्टे कष्ट रान्दा कृष्ट्वित्रार्थित् कृत्रेत्राङ्ग्रस्थयात् वित्रास्य कृत्याचेत्राकृत्याचेत्राकृत्याचेत्राकृत्याचेत्राकृत सन्दा कृष्ट्वित्राचेत्राकृत्राकृत्यात्राकृत्यात्राकृत्यात्राकृत्याचेत्राकृत्याचेत्राकृत्याचेत्राकृत्याचेत्राकृत क्रुटः झट.लूटा क्रिट्यः प्रदेशः एक्ष्यं अवस्थाः विवायः श्रेष्ट्राचित्रं विवायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्व स्वायः स्वायः प्रवायः स्वायः स्व

યું. તેશ્વં ક્રુંટ. ક્રુંળ. વ્યા વર્ષ્ય ત્રેપે. પ્રેયા. પ્રાપ્ત ક્રિયા. પ્રેયા. ત્રેયા. તેયા. ત્રેયા. ત્યા. ત્રેયા. ત્રેયા. ત્રેયા. ત્રેયા. ત્રેયા. ત્રેયા. ત્રેયા. ત્રેય

कें न्या की कें अस स्नाय कना निति दें दें दान नि से खुट खेंना निश्च निया में

मुन्नायम्बर्गान्नवर्ण्यास्त्र भूराने स्टावेन हिन्द्र मुन्ना स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्

तर्झेन्'नर्केअअंट'न'नठक'वे'अवत्रत्वात्र'ची'न्द्रीन्वावान्यप्नेन्वत्र'न्व्याची

लासवायाः मुचार्यात् विकार्तात् । स्ट्रियाः विकार्यात् विकार्यात् । स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियाः स्ट्रियः स्ट्रियाः स्ट्रियः स्ट्र

पक्य-पावी-सूर्य-ता प्रान्त्रशास्त्र-ता पार्क् श्रीट-सूर-ता-त्या प्रश्नाव प्राप्त-ताप्त निर्मात प्राप्त प्राप्

विवाहायायाळी

न्ध्यायान्त्रभूके विश्वसाद्यान्त्रभूक्षेत्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्य स्थान्त्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्य स्थान्त्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्त्रभूके स्थान्त

ล่อิจสายสานัก

ळॅंट अर्थ पर्देश विश्व में अर अर्देह अपवितर चंबवा वीच पत्र क्रुंक ते वितर क्षेत्र पत्र वी व्यव मुल्य अर्द ह अर्देश दिवा में अर्थ के स्वर्थ अर्देश के स्वर्य अर्देश के स्वर्थ अर्देश के स्वर्य अर्देश के स्वर्य अर्देश के स्वर्य अर्देश के स्वर्थ अर्देश के स्वर्य अर्वेश के स्वर्य अर्देश के स्वर्य अर्देश के स्वर्य अर्देश के स्वर्य अर्य अर्य अर्देश के

चर्| अर्नुहुण:वृषावाष्यचर्वेषाच:ळवाषाय:दूर्ण केंद्राणयावि:येन्यः हेर्च:हेः केंद्रान्यः ये जुराचः विवाची :यया वर्ष्यया केंद्रा हुः वे र्-ेश्चेलाखर्-्यूम् क्रियां विवायम्य विवायया अर्थायने य्यायस्ट्रिट्र स्ट्रिय्यम् विवायम् विवायस्य विवायस ल्ट्रियम् विपुत्तम् विपुत्

न्यर्भ की पर्के नं नहत्र में नई नर्र त्वाय क्रेतर नई वर्ष

. अट.क्र्रियाबाग्री तर्क्र. तत्र. भूर। बुट.पर्वाबाचर्युबाचश्चिराहेबातक्रे. त. दुवाचर स्वाबादर विवाद विवाद विवाद त्तुः न्यायः क्रू र चुन् रचर अ चुन् न्या अहत् र अख्र हेव खेल हेव क्षेत्र चुन् रचन क्रिक्त क्षेत्र चुन् र क्षेत वायः देश क्रु र चुन् रचर अचुन् न्या अहत् र यहेव खेल हेव क्षेत्र चुन् र यह क्षेत्र क्षेत्र चुन् र क्षेत्र चुन् हेव खेल हेव होन् र वितर स्था क्षेत्र चुन् र खेल होन् र चुन् र खेल होन् र खेल होन्य होन् र खेल हो શું ૠું તર્રે ર ને ર બન્ન છે ન રે સુર ને છે શું ન બન્ન સંસિત્ય તમાં તરી માં શું અર સે નામ શું તર્સે ન ર નાન તમ ब्रैन्द्रियः भ्राम्त्रीयः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः स्वाप्त स्वाप्तः स्व चैत्र महेत्र अद्यास के वार्ष में के प्रति के प्

त्रीत्र-श्वितः त्रीत्रीत्त्र-त्राच्यां कर्षे क्ष्यां त्रीत्र त्रीत्र क्ष्यां त्र्याविकान्त्री अन्तर्भाक्षेत्राचा क्षेत्राचा कष्त्राचा कष्त्राच कष्त्राचा कष्त्राच कष् क्रेन् अपितं स्थानितं स्थानितं त्रवारा द्वीरी वार्षा स्याप्ति स्थानितं स्यानितं स्थानितं स्यानितं स्थानितं स्थानितं स्थानितं स्थानितं स्थानितं स्थानितं स्था

दर्ने त्रे भेवं हु अ दें बं चं विण नहा। वंच्या हुण नहा कवा केव हेना

नवट्चें र्येट् हेट् ह्येंट ह्यें नकुन देवट ते हैं हिनक तिहिंद्य हे का धेद पार्टिं किनक है हो नक स्थित विकास है हो है हो है है का 

द्वरायाश्चरायेट्रास्याश्चराष्ट्रमा स्वराये स्वराये स्वराये स्वराये स्वरायः स्वरः स्वरायः स्वरायः स्वरः स प्रकाश क्षेत्र में क्षेत्र प्राप्त के क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत त्रेत्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत भूत्रकृत्योत्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्यात्रकृत्य थेंत्। दे'श्चेत्र'तृत्र'त्रेश'दिवा'वी'त्रेट'र्बेट्र रायेंट्र राग्चे'द्विश'त्र्न ग्री'त्रियंत्र रायेंचा प्रत्ये प्रतिवा प्रतिवा क्षेत्र रायेंचा राग्चे नगदर्भः जुरार्धेन

### ন্দ্রবাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্দ বিষয় নির্বাহিন্দ্র নির্বাহিন্

यविषः श्चैणः नृत्। विर्वायः विर्वायः विर्वायः श्चेतः विर्वाया विश्वयः विष्यः यात्रायः अविष्यः विर्वायः विर्वाय ૡ૿ૺૹૺૢૢૢ૽ૼૹૹૣઽૣ૽ઌૡૢ૽ૹઌૣ૽ઽૢઌઽૣ૽ૣઌૼૺ૾ૣૼ૱ૹ૾૾ૺ૱ૢૺૣ૽ૻઽૹૢૢૢ૽ૹૢૢ૱ૡૢ૽ૢૻૢઌૹૢ૽ઌઌૢ૾૽૱ઌ૽૽ૹઌૹૢૺૺૺૺૺૺૺૺઌઌૣ૽ૡ૽ઌૣૹ૽૽ઌઌૢૹઌઌ૽ઌ૽ૹૢ૽ઌ૽ૹ૽ૢઌ૽ઌૢૹઌઌ૽ઌ चतः वृदः क्रांक्षाद्याः ह्रियाः श्चे प्रभद्याः भिवाः तुः यात्र स्थाः प्रमद्याः प्रमद्याः वितिः । यात्र स्थाः विविद्याः प्रमद्याः विविद्याः विविद्याः प्रमद्याः विविद्याः प्रमद्याः विविद्याः विविद्य नॱनः । स्रावर्षेन्ष्रियत्र्रेययः नः वर्षेयः वश्चरायः स्यायायः स्वायः स्वायः स्वायः विवारित्

नगाय देव गोंचे ने सर्दे र गवर पेंट्र सेंट्री धव वर्ष र सेंहें देश हिंद्र गर्दे चेंद्र से गवद दें द उँव गियम से र हिंग गों र हिंद्र से में स इं इंग्वी अस्तर्गुया श्रेयां संदर्गे स्परं सुद् पदे श्लिया हर द्या मेर्ड पर्वे पर्वे पर्वे अस्त मेर्ट स्वापा हिंगे स्वापा है । प्रतीयान्। इ.सूचर्टर शु. प्रक्रम्य त्रान्त्र श्रान्त्र अवस्थान्त्र अवस्थान्त्र प्रतान्त्र प्रतान्ति प्रतान्त्र प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतान्ति प्रतानि प्रतान 

कुः केते : ब्रॉट्र प्रक्रेन प्रवार, वार ब्रुट्र इंटर्ड्या पहिंद प्रवात सदै : ब्रेट्र वाय सदिवाय स्वाप्त स्वाप्त इ.केते : ब्रेट्र प्रवास स्वाप्त द्दर्ग न्या स्टर्स्य न्या स्टर्म न्या स्ट्रिय ब्रिट्र चर्वा न्र्यं ब्रिट्र क्रियाया देवेवा वित्वां वा स्याने वा के विवासित पर्योत् पर्यान्ते वा विवासित वा व चन्वान्दरं अद्वेतःस्वान्यः से के वाषाय्यायाचा निष्या है। चन्वान्यः स्वान्यः स र्यः पर्चेश्वः ने त्यहेषः हेषः त्यहेरः भेषः क्षेत्रं करः क्षेत्रः स्थानः क्षेत्रः स्थानः क्षेत्रः स्थानः क्षेत्रः स्थानः क्षेत्रः स्थानः क्षेत्रः स्थानः स् जातवा हुवाय वाडुवा क्षेत्र के त्र हैं तवा सव स्टिन क्षेत्र सेवाय हैं र वी ह्य सेवाय हैं र वहें तेवाय हैं र वहें र ૡૢઌૄૹ૽૽ૹ૽૽ૺૡૼૢૻૹૻૣ૽ઽ૽ૡ૱ૡૡ૽૾ૡૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱ૹ૽ૣૼ૱ૹ૽ૼૹઌ૽૽ૹ૽ૢ૱ઌ૽ૹ૾ૢૢૼૢૼ૽૽૱૱૱૱ૹૹૡૻૹ૽૿ૼૢૻૡ૽ૡ૿૽ઌૢૻ૽૽ૺૡઽ૽ૺ૱ઌૹ૽૽૱ઌ ૽૿ૺૠૢૢૼૼ૱<sup>ૻ</sup>ૢૻૣૢૢૢૼૢૡૻ૽૽૽ૢ૾૱૽ૺ૱ૹઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽ૢ૽૱૽ૺઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૽ૼ૱ઌ૽૽૱ઌ૽૽૽ૼ૱ઌ૽૽૽ૼૹઌ૽ૼૺઌ૽૽૽ૼૺઌ

# শন্ত্র নুষ্ট্র শু না ব্যব্য শুরু নুষ্ট্র শু না

न्यरमार्भे प्रित्वे प्रित्वे रूर कुष्युं कु कप् खेर त्रे प्रते वर पी केषायाय केष प्रतिवाधिष प्रत्या वर्षा की प्रत्या वर सिया ॺॖॆऀয়৶য়ৣয়৾ঀ৻ঀয়ঀ৴ৼ৻৸ৼ৻৸ৼ৻য়৸ড়য়ৼয়ৣৼ৻য়৸ড়য়৻ড়য়৻য়ৢঀ৾য়৻য়৻য়ঀ৻ড়ৢ৾য়ঀ৻ড়ৢ৾য়৻য়ৢঢ়৻ড়ৢঢ়৻ড়ঢ়৻ড়ৢ৾ৼয়ঀয়য়৾ৼৢয়য়ড়ৼ৻য়ৢড়ৼ द्वान्य प्रति मान्य मान्य मान्य मान्य प्रति प्रति स्वर्थ प्रत्य प्रति प व् देशस्य र र स्यर क्षेत्र क्षे प्राप्ती प्रमुख्य प्रमुख्य प्रमे क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्व स्व स्व स्व स्व स લૈવઃર્સનાચઃન્દ<sup>ે</sup>ંચેત્ : ગુઅઃ નેઃ શેઃન્સદ્યાઅદેઃ ૐનાચઃ જીઃ'નેઃ વંદ્દે વંદ્દે વર્ષ્યા અનુ વાર્ષ અનુ ક્રિયા ક્રાયા છું છે અલે વાર્ષ ને વાર્ષ કર્યો વાર્ષ ને વાર્ષ કર્યો વાર્ષ તે વાર્ષ કર્યો વાર્ષ તે વાર્ષ કર્યો વાર્ષ તે વાર્ષ કર્યો વાર્ષ તે વાર્ષ કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો વાર્ષ કર્યો કર્યા કર્યો કર્યો કર્યા કર્યો કર્યા કર્યા કર્યા કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો કર્યા કર્યો કર્યા કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો કર્યો કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા કર્યા કર્યા કર્યા કરાયા કર્યા કરાયા स्त्रीत् वर्षा में क्षेत्र प्रत्ये क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र क्षेत विच मु न्या के नाहेन स्वा के ने हुन निर्मेश मंही नियम के नियम कि ना कि स्व के कि नियम के नियम ने नम नम्मान के नियम हैन हैं नम निवास निवास निवास न

कूटयाची ने ने स्थान स्यान स्थान स्य विषव विषयं भेवा विषयं श्रीन विष्यु के सम्बद्ध स्थान है विषये के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स ત્રુદ તક્રો પાંકેન પતિ ખેત તું જ તર્ને તે જો પાંકેન ફૂન છે એન પને દાં ને દેશ પોન વત્ર હતા ને દાય તે તે તેનું મદ તેને પાંકોને ને કોન

. ટ્રિયા ક્રિટ્રેક્ટ્રિક્ટ્રિક્ટ્રિયાનું ક્રિયાનું ક્રિયાનું સંસ્થે સ્ટ્રેક્ટ્રિક્ટ્રિક્ટ્રિક્ટ્રિક્ટ્રિક્ટ્રિક્ટ્રિયાનું સાથે ક્રિયાનું સાથે ક્રિયાનું સ્ટ્રેક્ટ્રિક્ટ્ટ્રિક્ટ્ इयथाला संस्थित के स्थाप होता है से प्रति के स्थाप होता है से प्रति के स्थाप से स्था से स्थाप वर्देन : विन्यं ने अन्तर में विन्यं के विन्यं के विन्यं के किए के विन्यं के त्तर्या त्रिया युरा प्राप्त वित्तर्य वित्तयस्तर्य वित्तयस्ति वित्तयस् चेन्द्रां वे किया कं रुद्रां वाया के वे संध्ये व संघ्ये ने के स्वाप्त के वाया है ने विवास के स्वाप्त के स्वाप् युष्यात्रम्यात्रम्यात्रम् व्यवस्त्रम् अत्यत्त्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विष्यात्रम् विषयात्रम् विषयात्रम्यम् विषयात्रम् विषयात्रम्यम् विषयात्रम् विषय यःचर्। रवे.ग्रुष्यं में में स्वायित्वा में स्वयं में स्व यान्ना नेंद्रायासदार्थेनात्रार्थेन्, युन्यां अर्थेन् अर्केन्ना अर्थेन्या केंद्राया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व सान्ना नेंद्रायासदार्थेना स्वाप्त स्वाप 25

वेश तर्वोषानी प्रमुख तकर प्रमुखेव छेट पत रेंब क्षेर प्रमुख के माने प्रमुख के वयास्यायहाव द्वीतायते समाराष्ट्रिव मायव प्यारास्य प्यारास्य प्यारास्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र र्वाट द्विच क्रिक्त अंद्र क्रिव्यक त्ये त्ये विद्राप्त विद्रापत विद्राप्त विद्राप्त विद्रापत विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद्राप्त विद पहेंचा र्रमुंबा मूर द्राता पड्डे ने रेट रामाय में मूर्ट पत्र पड़े हैं रामा पड़े प्राप्त पड़े प्राप्त प्रमाय प्राप्त प्राप्त पड़े प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प र्शरयार्थे तथा भीवाया परिवाही क्रिया प्राप्ति में स्वाही में स्वाह

यीट. चीट्यं में हिट्या प्रश्न हिट्यं श्री स्वर हिट्यों श्री स्वर हिट्यों श्री स्वर हिट्या के प्रश्नी के या विच हिट्या स्वर हि ॖॿॕॶऄॖऀॱ<del>ॾ</del>ॱॺॖॎ॓॔ॺॺॱॸढ़ऻॎॖॺॺॱॶऀॻॣॺॱॻॎ॔ॻ॔ॱॾॗॖऀॻॱख़ॕ॔॔॔॔॔ॺॸ॔ॱॿॻॱॻऻढ़ॕॸॱॻऻॸॖ॓ॿॱढ़ॎ॓ॻ॓ॹॱॼॖॺॱॻढ़ऀॱढ़ॻऻॗड़ॱॸ॔ॻ॓ॸॱख़ॗ॓ॸॱॸॗऀऻॱ॒ॸॸॱढ़ऀॸॱऄॗॱॿॸॱ महिम्बायाययात्वरकान्द्रस्यायाः व्यव्याद्वर्त्तात्वर्ताः वित्तिन्ति । वित्तायाय्यायात्वर्ताः वित्ति । वित्तायाय क्ष्यां स्थानियां से वे. बेन. बेन. बेन. प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां क्ष्यां प्रचायां प्रच्यां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प्रचायां प् इति तहु व की वायर ह्या क्षेत्र कु को अर हटा विह्यु क्षेत्र ति विह्यु क्षेत्र क्षेत वृत्रांबार्श्वेराक्षे प्रदेश प्रदेश वित्रां क्षे कुषांचार पूर्वे व सुचार के प्रदेश चेत्र प्रदेश चित्र व से वित्र के वित्

श्चीन'यहीत'य'यम्'।यम'मी'मिकी'सून'ने स'नवी सेमायी या वर्तन से सिमायी वर्षा प्राप्त की मार्थीन पर्याट मी यो न

## यात्र प्रेंत पुर्या थी। श्रेंत्र अस्ति प्रांची श्रेंत्र

.लश. बूर. कूँचा ने ब. बुर. श्वावद. बु. टू. जून : बर. प्याप्त : ब्याप्त : बु. टू. कूँचा चुन. खून : बु. व्याप्त : बु. टू. च्याप्त : बु. च्याप्त : बु. टू. च्याप्त : बु. च्याप्त चठकायाञ्चीन निप्ता होता होता क्रिया के दिल्ला होता है । क्रिया प्रहेश प्राप्ता होता हो प्राप्ता होता हो हो हो क

ढ़ोवायायाटा च्चीटा वीवा होवा क्षेटा प्रमाया द्वारा वर्षेट्रा प्रकेट प्राप्त प्रमाया होवा हो हो हो हो हो हो हो व विवायायाटा चुटा वीवा होवा क्षेट्रा प्रमाया द्वारा विवास करा हो हो हो हो हो हो है । न्याद्याङ्गय्याज्ञात्र्यायाज्ञात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्याच्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र यर अर्बेट । यद्देर यहें व नवुट वुर्य वे वे रावे के या के विषय में देव रावे के या के विषय के वि यर चहेन् यदि के या कुष में वा चुंट क्वेंट क्षेत्र य लेवा रेत्र

ૡ૽ૺૹ૾ૼઌૹૢઌૻ૱ૢઌૻ૱ઌઌૣૻૡ૽૱૱ૺૺૺૺૺૺૺૺૺઌૢૻઌઌ૱ૹૹૻૹૺૺૺૺૺૺઌઌૢઌ૱ૹૢ૽ઌૹૢ૽ઌૹૢઌઌૢઌઌ૽ૺઌઌૹૠૢ૿ૺઌૹ૾ઌૢઌૺૺ૱ૹ૱ઌૣઌ૱ ૢઌૺૡૢૼૹૹૹૢ૽ૺઌઌ૽૽૱ઌઌૣ૽૽ૺઌૢઌઌૢ૽ૺૹૢૺઌૺૡૺૹૹઌ૽ૹૺૺઌૹૢ૿ઌૹૢ૽ૺઌૹૢ૽ૺઌૹૢઌઌઌઌૹૠૢ૿ૺઌૹઌૢઌ૽ૺઌઌૹૹૢઌઌ૱ઌ अर्वेटर्क्यन्टरकृष्ट्याक्षेत्रकृषाक्षेत्रक्ष्यन्ते चर्में रचर्ग्नर्ग्न में हेर के प्राचन के किया है किया में म्यायाल्या प्रमायाल्या स्वायाल्या स्वयाल्या स्वयालय स्वयाल न्देंबार्यन्'ग्री'नश्चरं'नर्योन्'होन्पते विन्'श्चे स्थार्न्'श्चनायद्वेषार्वेब्'त्यार्थकार्यवाय्येषार्वेब्'त्यार्थकार्येव्यात्वेव्यात्वेषार्थेव्यात्वेषार्थेव्यात्वेषार्थेव्यात्वेषार्थेव्यात्वेष्यात्वेषार्थेव्यात्वेष्यात्वेषार्थेव्यात्वेष्य

**बुद्र से दि** 

ठवु पर्दे 'ग्रदंश तर्वे र अट डिग्यूश पर्दे क्रें व श्रीं श हैं 'त्य है त मृत्य पर्दे 'ग्रव श हूं य हुट पर्दे र पर्दे । नर्गोत् वत् उत्तरहें अब ब्रें र प्रेंत्र एका वादं खेवाबं चुंब खेत्र यं तेता है अं विवाय के व वह वाचिका परि होता विवा २.म्कूथ.पट.की.विश्वयातीबायावीय.चवीट.जेवा.चक्रंय.वीट.की.लूर्ट.ता.सीटी ट्रे.वीट्य.की.म्कूचे.पट.शट.कु.चयु.यट.चयु.यट.व्यावीय. २.म्कूथ.पटची.वी्यातपु.श्रम्,द्राश.झे.पव्या.कुवा.टटा ट्रे.श्रय.ता.सूचे.पट.ट्रीक्य.श्रयं,युट्ट.ट.चकूच्.श्रट.ट्र.टश.ता.वीट.व्या.वी्या. यहिरावी स्त्री स्वर्धां स्वर् पंद्वा चुंबारांदे लेबा ठवु पा क्रेंबा यव रहव वावक क्षेत्र यार यार चुका क्रेंबा वा कर क्षेत्र पार्र राज्य वा क्षेत्र या विकास के वा विकास के वा विकास के वा विकास के विकास के विकास के विकास कर के विकास के वितास के विकास क र्वे लून्यान्तरी निर्देशका के अपने के किया के सम्मानित करा के ता करा के वा क्षेत्र के ता के वा के वा के वा के व ब्रेन्-न्-तह्मांमे सेन्-स्वमा श्रे.पन्-न्मामे सुमान्ना निमाने सम्प्रमान्य वर्ने नेपान्य स्वर्ति स्वर्णान्य स्वर्ति स्वर्णान्य स्वर्ति स्वर्णान्य स्वर्णान् ञ्चनं चर्रमं तृष्ठ्यं स्वर्ता से ना चर्रमा से में से मान स क्षेत्र अ: च्रिका क्षेत्र : कष्टे : क्षेत्र : क्षेत्र : कषेत्र : कषेत

चेत् चु-त्राप्त ने चु-त्राप्त प्राप्त बेन्या क्रेन् न त्यां क्रिन्य निर्देश क्रिया कर्म निर्देश निर् तृत् विअप्तकुः कृत्यार रेति या अप्तर प्रवास विवास त्रा विवास विवास विवास स्थाप किया के कृत्या के कृत्या के कृत प्रवास प्रवास के क्षेत्र अप्तर प्रवास के कृत्या के क्षेत्र के क्षेत्र

कूर्वाकान्य प्राप्त का क्रियान प्राप्त का क्रियान प्राप्त क्षेत्र के स्वाप्त क्षेत्र क्षेत ष्ठियानु प्रमून वित्र परि दे ते वा वित्र परि वा वित्र परि वा वित्र में वा वित्र परि वा वित्र वित्र के ते ही वा वित्र वा वित्र के ते की वा वित्र के ते की वा वित्र के ते की वित्र के ते की वित्र के ते की वित्र के वित्र के

[यर] ॅॅं ५ ५ ८ प्रायम प्रतिव र्टे केंया अधयाय विद्याप्त क्रिट व प्रतास क्रिक्ट प्रतिव क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट व [यर] ॅॅं ५ ५ ८ प्रतास क्रिक्ट क्र

स्वमान्नास्य क्रमणालाकाइड अलाम्यान्नास्य स्वाप्तास्य क्रमणाल्य स्वमान्नास्य क्रमणाल्य क्रमणालाकाइड अलाम्यान्नास्य स्वाप्तास्य क्रमणालाकाइड अलाम्यान्नास्य स्वाप्तास्य क्रमणालाकाइड स्वाप्ताम्यान्नास्य स्वाप्तास्य क्रमणालाकाइड स्वाप्तास्य स्वाप्तास

चूर् ह्रैंट्यायाञ्चर प्रचान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स

विर्वाणिकः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः देवायां वे र्वायः प्रविदः प्रविदः स्वरं वायो स्वरं विवाहः स्वरं स्वरं

#### न्त्रव्यक्ष्यः क्रिंश्युन्यक्षः

भ्यां रा में व विया विदार्य में विदार

चर्यं इश्वर्याक्ष्य चर्यं विषय् तक्ष्य क्षेत्र स्ट्रिया पश्चरा स्वायः स्वयः स्वायः स्वयः स्वय

ૡૢઌૺ૱ૺૺ૾૽૽ૢ૽૾૽ૻૣૻૣ૾૾ૼ૽ૹઌૹૹ૾ૢઌૺઌૢૼઌૺૹૢ૿ૼઌૼૼૼઌૼ૱ૢ૽ૼૺ૾ઌૼઌૹૢૹૹૹ૽ઌૺૹ૱ઌ૱૱૱૱૱૱૱ૡૢઌ૽૽૱૱ૡૡ૱૱૱૱૱ૡૡ૱૱૱૱ૡૡ૱૱૱૱ૡૡ૽૽૱૱૱ૡૡૡ૱૱ त्र्यन्ति स्त्रात्त्र वित्रात्त्र वित्रात्त्र क्षेत्र क्षेत वृची, मुचे, त्रेळैल छेन नर्मेन बेने ने सेन ने से अन्यातु के सम्पर्धित होने स्वत्यातु के स्वत्य स्वत्य सेन सेने से स्वत्य स इ.चषुः मैं वं नेटी, वोबब्दिस्से में वाशेट्बर्याने ने वो अक्ष्ये कियात कुषु वोषा कुषु ने वाला कुषु ने वाला कुषु ने वाला कुष्टि ने किया कुष्टि कुष्टि कुष्ट गुर-भ्रायेशने निर्नेति हे शं सु सु स्रेने हो शं यदे सुव ल ले वो नि नि नि स्ट हो ं र के चेन सूर्य गु प्रायम स्ट र शं स हे ने से नि सूर्य हो ने हे स र्थित् प्रांत्रवार्क्षणे नदो अधुत्र प्रांत्रदा । देवाशेदार्वक्षव्यव्याप्ते प्रांत्र प्रांत्र क्षेत्र व्याप्त क्षेत्र प्रांत्र क्षेत्र क्षेत्र प्रांत्र क्षेत्र प्रांत्र क्षेत्र प्रांत्र क्षेत्र प्रांत्र क्षेत्र वयाँदें त्या बिट त्याव वित्र त्यहे वाया पट प्रांप के देश पर्व का प्रांप के अपने का कि प्रांप के प्रांप के प्रा क्षेणायर र्नु 'न्र जी बा क्रुं के ते कर क्षे अंदा के जी बा की के बा न्या के नियम का जी के बा जी नियम के जी जी के का नियम के जी के का जी के की जी के कि का जी के कि का जी कि का तक्षत्रयात्रः विष्ठ-द्रियः इययाय्यवरः श्रीवः प्रति । विष्ठाः । विष्ठाः प्रति । विष्ठाः । विष् मुबामान्यद्वान्त्रम् । यहुन्यत्वे स्वान्यत्वे स्वान्यत्वे स्वान्यत्वे स्वान्यत्वे । यह स्वयत्वे । यह स्वयत्वे । यह स्वयत्वे । वंशक्षिः इस्रायः तर्देन ह्या विद्यां विदार्श्व प्रवे प्रवासिव स्वाप्त होता स्रीय स्वाप्त प्रवास प्रवास मिल्या म वंशत्रहें न क्रियां हुं न्ना यदे किंग युन्य हो न क्रिया है क्रिया हो न क्रिया पद्मण्टियाचित्रः में क्रियाची स्वाप्ति । विद्याची । विद्याची स्वाप्ति । विद्याची । विद्याची स्वाप्ति । विद जवीनक्षेत्रः क्षेत्रः स्वादः बुवी जासीन स्वादः स्वादः प्रदेशः विवास्त्रः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्वादः स्वतः स्व केंब शुर्वाब यथ दें द होय हु बेवाब वाय तवाद ब के द से धे द सि हें दब तकर नहें द से दा

हुकं न्दं तर्वेषा मुनं श्रे सेषा य मुन् न्वेषा

 र्देन सर्ह्य न्यानियुं युं नहुन विगुं नु त्य शुर न होन न विश्वा

स्वायः क्षेत्र प्रस्ति स्वायः क्षेत्र प्रस्ते स्वायः क्षेत्र स्वायः स्वयः स्वयः

चळ्यःत्तरमुश्चयः स्वाह्मेत्रा स्वाह्मेत्रा स्वाह्मेत्रा स्वाह्मेत्र स्वाह्मेत

चति नुस्रम्यां वार्षे नंन्वां वानेनं खुः धेंत्र स्नेत्र विवा युंच सः हीनं न्वीं वा

त्त्रेचकाःग्रीकालवानसूत्रःग्रीत्त्रकां विश्वकान् स्वाप्त्रः स्वाप्त्रः

 $- \sqrt{2} + \sqrt{2}$ *न्वेंबा* टेबा बेंक्केंद्रि त्याव त्यविदे केंबा ग्रे : यंबा नेंवा या ना केंद्र के केंद्र के केंद्र के केंद्र के विकास केंद्र के केंद्र के विकास के विकास के विकास के विकास केंद्र के विकास के ८८.वॅट.त्रेक्ट.व्यक्षक्र.व्यु.पष्ट्य.पावर.जवर.जवर.जवर.व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्युक्षः व्य १.क्विल.विच.क्विक्षः व्युक्षः व्युक् यं प्रविद र्धेद क्षेत्र दिन विप्रवाद वापर प्राप्त प्राप्त प्राप्त हो प्राप्त हो हो प्राप्त विप्रवाद विप्रवाद व

चार्चेबाजार में स्वास्त्र प्राप्त प्रमुख्य हो नहीं स्वास्त्र स्वस सेन् अंगुलि त्र्यायन्या अप्यत्य विवाधीया विवाधी ચૈવાયા તું લુવા તું હુવા તાના ના ના વારા તું કું તાલું કું તાનું કું તાલું તું તાલું તું તાલું તું તાલું તું તે त्तर् त्र त्र च चेत्र प्रत्य केत्र केत विवादिष्य केत्र केत् 

न्तः में क्ष्मिं क ष्टि-रिनट-रिटा प्रवित पर्वेद प्रभूपविष्य दे हैं है है है है से अपमान किया है पर्वेद हैं है विषय है है है से अपमान है जिस से अपमान है कि स्वाप के अपमान है कि से अपमान है कि वह वा चुका चा लेवा चेता वर्ते 'नवा के विदाय विदाय विदाय के बाय वा का ची प्रविदाय के विदाय के विदाय के विदाय के वा विदाय के श्ची न्यर्याया वित्र क्षेत्र वित्र स्वित्र स्वित्र से नि देशे श्चीर न्यर्या वर्षे पर्वेत्र पर्वेत्र स्वित्र स्वत्र स्वत्र स्वित्र स्वत्र स्वत्य स्वत्र स् त्यायः भवाकी नियम क्षित्रायः के प्रति विवाद्यां प्रति विवाद्य के त्या के त्या प्रति विवाद के त्या के त्या के त सक्षेत्र के त्या के त्या के त्या के त्या के त्या विवाद्या के का कि के त्या के त्या के कि त्या के कि त्या के के क्ष्यांबात्रात्मान्त्रेत्रात्माक्षुःक्षेत्रे स्वरः श्चाः द्वार्याः याप्त्यां स्वरं क्षेत्रः वित्रं वित्रं वित्र क्षेत्रः वित्रं 

ॱहुर:चर्-विषाःपॅर-ळे। देंब-बेर-ग्री-श्ली-बें-बर-चें-वहेंब-पत्तुर-पर्छेंब-पहुषाःगैषाग्रिबेषाःकर-वब-बें-बार्वेद-प-दर-। श्रू-वें-द-ग्री-कर-प-

बॅंद नबेद हुई बंई अर् दें वें ने वेंदर रं दें न

न्त्रामॅबिंगाची र्वेण दुषाची नावी पहिंदा वाया प्राप्त अनु प्राप्त अनु प्राप्त विकारी वाया सुर्वे वाया प्राप्त हो। घ व द्वे दि दे हैं प्रदे द्वया हु विला कर विला क्रें श्री ने की विला विलय विलय के लायन के अर्थन में के प्रति महिना के ती कि के विलय के कार के कि ब्रेन्यान्य स्त्राच्या विक्रिया विक्रित्त विक्रिया विक्रिय विक्रिया चे हु न भी का के त्रे ता के का के ता क चाले के ता के के ता के का ॱऒ॔ढ़॔ॱ॔ॻढ़ॎॏॺॱॹॖॱऻ॔ॻॻॏ॔ॴॸॱ॑ढ़ॺ॑ॱॺॱॻऻढ़ॺॱढ़ॎॻऻढ़ॱढ़ऀऻॻॱॸॖॱ॑ऒ॔ॸऄॕॻऻ॑ॴॱॻॖऀॱढ़ॎॴॱढ़ॸॆज़ॹऄढ़ॱ॑य़ॸॱॸढ़॔ढ़ॱऄॸ॔ॱॻॖऀऻॺॱॸऻऄॕ॒ॱढ़॓ॺॱॻॺॗॱॿऀॱऒ॔ॸ॔ॱय़ॱ 55°| 35|

णु-र्लेट्-प्र-र्ट्-र्ने, ने-प्रवेब-ट्-प्र्व-स्-र्व-स्-र्व-स्-र्न-प्र-र्व-स्-र्व-प्र-र्व-स्-र् वैषाण्यं ताकी स्वेरायो के प्रतर के के रे के किया कर की प्रवृत्त वित्यान्त । चर्मे वं पर्मे त्र के ति के वित्य वित्य के विष् योर्वे नुद्वेन प्राचीया अवाया प्रति स्थान 

त्या ट्राच्यां स्वाप्तां प्रचे क्षात्र स्वाप्तां स्वापतां स्वाप्तां स्वापतां स ब्रिन् लेयर ने न स्थापन के ति विकास कि स्वीय के प्रति के प्रति के स्वीय के कि स्वीय के कि स्वीय के स्वीय के स् <del>୪</del>୶୲ୡ୕ୣ୕୶୲୴୶ୢ୕୶୳ୠ୕ୢ୶ୖ୴୕୵୶ୖୄଽ୕୳୶୕୵ୖଽୄ୷୵ୖଽ୕୵ୖୢ୶୷ୣୖଽ୕୵୕୶ୖଽ୕୳୶ୄ୕୷୷୕ୡ୲୷ୖୡ୲୷ୠୗ୕୶୲୰୲ୡ୕ୣ୶୲ୖ୵ୣ୲୕ୢ୶୳ୠ୕ୡ୕୶୴୴୳<del>ୢୡ</del>୶୶୷୷ୣୡ୕୶୲ୢୖ୶୶୲

म्बिकाद्धकार्यने निवानीकाक्चा केदे कि मुंगसर केवाका केवा ग्राम कर्या क्या केवा खेवा के निर्माण केवा की निवास केवा की स्वाप करिया के विवास हो निवास केवा की निवास केवा की निवास केवा की निवास की निवास केवा की निवास केवा की निवास केवा की निवास केवा की निवास की निवास केवा की निवास केवा की निवास केवा की निवास केवा की निवास की निवास

ळॅपाबरग्रीबंरग्रेटर्ने ख्रेरर्ग्वेने चंदि ने पादीन ग्री खेन्। देवर्ग्यट्रेस् लॅपा बेटर्द्रावुपा तृ ल्पाबर अपिव निर्मेद हे खेट्य हे किया अव स्थान बुंचर्द्धवः वेंदर्भवाक्षेट्र केवाया क्षेत्रायर दुंच्यायर द्वायते केवाक्षेत्र केवाक्षेत्र केवित्र वेंद्र चेंद्र 

च्र- क्रिंग भ्री में पूर्व के प्रमाल कर क्रिया के प्रमाल कर कर के कार्य के के कर के कार्य के के कर के कि के कि र्चर-र्बेट्यः क्रिंग्यः वाचर-र्वेत्र चेत्रं वावर-र्वेत्र चर-तक्ष्यक्षयः वाचित्रः चर-वित्र क्ष्यः क्ष्यः वित्र क्षयः वाचर-र्वेत्र चर्चर वित्र क्षयः वाचर-र्वेत्र चर्चर वित्र क्षयः वाचर-र्वेत्र चर्चर वित्र क्षयः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र क्षयः वाचर-वित्र क्षयः वाचर-वित्र क्षयः वाचर-वित्र क्षयः वाचर-वित्र क्षयः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र कष्यः वाचर-वित्र वाचर-वित्र

देशः ह्रीट.ट्रे.ट्रे. पट्टा पट्टा च्याचारा विषय विषय विषय क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र हित्य प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क्षेत्र प्राप्त क्षेत्र क् र्देश दृष्टा दिंश तक्ष्येश ही र यहरे में गविश स्था विगारें हों दिंब एक हिंगुश गविश विगावश गाय है है में हो हा हा शिय है । न्द्रव क्रून क्रिया तक्षेत्र क्रिया प्रशास्त्र प्राप्त क्रिया प्रशास क्रिया क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रि ळॅंगबःग्रैबःग्रुटं ळॅबं यःदर्भेबर्देरःवबंदें केंयं ग्रेट् ग्रेयं मेवा केंबर स्वापंत्र मेवा केंबर स्वापंत्र बुंअं बें। वेंन् बूंटब कुं नुवें व बे प्वा के वट है रे केंवा वार्ष अर्ट है ब कवा वार्ष अर्के ज्वा विश्व के वार्ष के विश्व के विश् इंसम्पर्द निर्मात स्वापन के स्वापन के स्वापन के सम्पर्द निर्मात के स्वापन के स्वापन के स्वापन के स्वापन के सम्

ઁઘંત્રઃકૂર્ય.ૹૢ૽ઃક્રિયાના કૂયાલીયાયાર્ટા, ત્યાવે ત્યાવે સુંત્રાચે સુંત્રાચે દાર્ટ્યાન ક્રિયાના કૂયાલીયાયાર્ટ્યાયો કુયાલીયાયા સુંત્રાચે સુંત્રા સુંત્રાચે સુંત્રા સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રા સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રા સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રા સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રાચે સુંત્રા સુ शुः क्षेत्र। 'न ॱॠॱर्वेतः बुंशः पावनः 'र्नेवः वृत्तः क्षेत्रं क्षेत्रं चेतः वृत्तः वृत्तः द्वेत् प्रवेतः क्षेत्र भ विनाश्चित् श्चीत्री न्द्रिन प्रति स्थित स्थान स्थानी विकास स्थान स्थानी स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थ विनाश्चित् श्चीता श्चीत स्थान स

व दे वे प्यट द्वारा विवारे द्वा

ૡૢૼ૱ૹૻૺઽૣૹ૽૾૱ૺૣૺૹૺઌૢૢૣૡૹૡૢઌ૱ઌૢૻૢૡ૱ૹ૽ૺૺ૱ૢૡૼૺૺ૾ઌ૾૽૱ઌૺ૱ૡૢ૱૱૱ૺ૽ૻૢઌૹઌ૱ૺૺ૽ૺૹૢ૽૱૱ઌૢ૱ૢૺૺૺૺૺૺૺૺઌૺૡ૱ઌૺૹૢ૽ૺ૱ૺઌૹ૾૱ न्त्र्यार्थेट्याबेयान्वेत्रान्वेत्रा क्रुअळवादी र्येन्वेद्राया क्रीप्तानी विद्राया किया दी नामायाने विद्राया क्रिया दी नामायाची विद्राया क्रिया दी नामाया क्रिया क् हूना नहूर नित्र से में न्या के नाम के ८ॱळॅंबाबी तरी द्रापाया क्रुंचा हेव पर्वेत्याची सुद्रापा वाया हे। क्रुंचा हेव पर्वेत्याळे ची तरी प्रापायी बार चीव पर्वा विवासी वास्त्र वास्त

 $\frac{1}{\sqrt{2}} = \frac{1}{\sqrt{2}} \left[ \frac{1}{\sqrt{2}} + \frac$ 

र्वेरःहेंग्रांशः धुयः विषाः रेत्।

देते श्चित्रधायक संवाक श्चित्व स्वाक प्राप्त प्राप्त

35

ेतु. ह्म्याची नर्देव औत्तर क्रियान क्रियान नर्द्य क्रियान मुन्य क्रियान क्

श्रुयःयं विषाः रेता

प्रविश्व क्षेत्र प्रकार क्षेत्र क्

कर ने दार्श्वित मुलाबेट १ मिट पर्द्याय है भी बट प्रतार देशे के अंदार रिक्ष अधिया पूर्वे प्रति क्वार्क से श्वित पर विवास के अंदार श्वित स्वार्थ के अंदार श्वेत स्वार्थ के अंदार स्व यमा ग्राम के निष्णा मार्थ के कि निष्ण के मार्थ के के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्थ के मार्य क र्देशत्रावनानी शे न्यद्यास्य स्यापं कृतः यंद्या वन् क्रेंन् यानू दा सेया बट बेट कर्न सेन बुट बेट कि कि कर के के लिए कर के लिए कर के लिए कर के लिए के कि के कि के कि के कि के कि कि कि के र्वेदःर्वेषायाग्रीः श्चार्टितः प्रवितः र्थेता

चॅनॱॿॕॣऀ॔॔ॺॱॻॖऀॱॠॱॻऻॹ॑ॸॱॿॖ॑ॻऻ॑ॺॱक़ॆॿॱॾॣॺॺॱक़ॣॕॱॷॴज़ॖॱढ़ळॸॱॸग़ऻढ़ॱॿॏॸॱॸॻॾॕॸॱय़ॸॱॸॖग़ॺॱॻढ़ऀॱॻऻॸॕॖॸॱॻॺऀॻॱढ़ॖॸऀॱॷॸॱॻॸॗॸॱॲॸ॔ॱॻॖॸॱऻ ब्रे त्याय मुबाभेगा मोबा ने दिन हैं की का के वे प्रयो हैं या ब्रे न्या का में हिंगू का बाद के बाद के ने प्रवेश ने देन के का ने हिन यो पदी के विद्या में द्वान्य स्वाप्त स्व में द्वान स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

रेर्

<u></u>दे.८८८.क्षत्रब.व.कुत.जब.कुट.तब.२८८.क.च्ट.क्षेट.इ.५५.वेबाब.कुष.२८८.षट्ट.ब.द्व.बीष.पड्ड.ब.च्य.कु.व.क्षेट.कु.कु.व्य तर्षः अत्रात्त्रीयः वृत्ताः अत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र कृष्णचित्रात्त्रीयः वृत्ताः अत्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र कृष्णचित्रात्त्रीयाः वृत्तात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात त्तर्त्वाचान्त्रक्षात्त्रम् त्रम् अत्रम् स्वरम् वित्तम् अत्रम् अत् स्वरम् अत्रम् स्वरम् अत्रम् क़ॗॱक़ॖॆॺ॑ॱढ़ॏऀॻऻॱॸॖ॔ॱक़॓ॻऻॺॱऒ॔ॸऻ॒<u>॔</u>ढ़ऻॸऀॸॱॻॏॺॱॸॖॺॱक़ॗॕॿॱॸॖॱॳ॑ॸॱक़ॕॻॺॱॸॸॱॻॎॼ॑॔॔॔ॻॸऻऄ॔ॱॱक़॔ॻॺ॑ॱक़ॆॱॻऄऀॱॼॱॾॗॕऻॕॸॱॸॕॸ॓ॱॸऻॺॕॺॱॿॆॺॱॻ॓ॻऻढ़ॱॿॕॗऻ॔ॸ वाबर् निर्देनवैर्वर्षेद्र निर्दे कुरां दर्वाया कुर्याय विवा कुरा हैना कुरा देनी निर्वा के निर्देश कर कि विवास कि स्ति है । ત<del>વે</del>.શું.તીતા.તાય.તા.પટ્યા

पश्चित्रः प्रमाणकात्रः विकास क्षेत्रः विकास क् क्रैंट छेन अपने सेन्यन्ता सेन्य सेन्

न चॅन हूँ र्वाय सुने के मूर्य पर्द कर के ही के राष्ट्र वर्ष के के त्या है निर्देश के पार्ट मार्थ के पार्ट के लिए के किया है कि चर्य्य न्येय में न्यून निष्य प्राप्त निष्य निष्य

मुक्तान्त्रित्वात्र्यात्रत्यत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्यात्रत्यात्रत्यात्यात्रत्यात्रत्यात्रत्यात्यात्रत्यात्रत्यात

र्देव-द्र्याच्चा-त्र्वेव-क्चेत-र्ट्य-त्र्युवा न्ट्यायावस्य अत्यावस्य वर्षः वरः वर्षः वरः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वरः वरः वरः वरः वर बैन्नित्रिः त्र्वेत्रः वर्नित्राम् स्वान्त्रः चर्ना मिलेर् खिन्ने स्वान्त्रः क्षेत्रः स्वान्त्रः स्वान्त्रः स वैन्नित्रिः त्रवेत्रः वर्नित्राम् स्वान्त्रः चर्ना मिलेर् खुणेर् स्वान्त्रः स्वान्ति । प्रतिकान्ति स्वान्ति स શું બૅર્ન્ડ્ર ને ને તેને ગુદ ને તે ખાતા છે જે લેવા બૅર્ન્ડ ના ને તે તેને વેર્દ્ધ ના સે સુરાસદ છે. વાલસ ખાદ ન મુદ લદ્દે ને સે સુરાસા શું સુરા હન ऒऀॻऻॺॱढ़ॆॺॱॴॱॸॻॱॴॺॱय़ॱॸ॔ॸॱऻ॒ऄऻॱ॔ढ़ॸऀॱॸॻऻॱक़ॆऀॱॸॳॸॺॱॻऻॕॶॕॱॻ॑ॶॕॺॱॻॿॗॗ॑ॸॱॿॣॏॻॺॱॻॖऀॱॹॖॸॱॻॾॕॎढ़ॱॶॿऀॱॿऻॖॱॿढ़ॱॿॕॹॱॿॕॿऀॱय़॑ॱॿॆऀॻॱऒॿऀॱॿॢॻॺऻ न्याद्यायार्थः पर्द्यम् पश्चितः भ्रीप्यायीः हर्ना पर्द्यन् रहेन् रह्या स्थायारी सुर्या स्थायारी विषया हिना पर्दे प्रस्ति । हर्ना पर्दे न् रह्या स्थायारी सुर्या सुर्या स्थायारी सुर्या स्थायारी सुर्या स वर्चन्नेन भेवान के के अप के के कि कि के कि क ल्ट्रिंट्र पर्यं प्रमुद्धीं व

चले.चर्री क्षेत्रक्षत्रयालयाचीर तपुर्याप्तर्ये स्थाप्त विचालय वि ळ्ट्रमिबि न्द्रम्भहुत्रमिति कुर्म्म हेर्त्र प्रमुख्य प्रमुख्य हेर्मा प्रमुख्य हेर्मा क्ष्म प्रमुख्य हेर्मा क्षम विस्रबादमायायहिषान्दर्स्यासे द्वार्श्वेदायाहेत्या देवादास्याच्यात्र । विस्रबाद्यां क्वार्यास्य स्वर्यास्य स्वर

चरुषान्यरमान्तरं चर्रेषान्त्रमुन् तम् स्ति क्षेत्रम् सिन् क्षेत्रम् सिन क्षेत्रम् सिन् क्षेत्रम् चक्कानश्चिरः अर्देगीनश्चेता इंग अ.एट्र. ट्यांट्यूचे इंग्डेयु .यूचे .स्यांच्युः चट्यायाचे स्थायाचे स्थायाचे स्थ इ.एर्ट्याया .स्यूचे स्थाया स्थाया अ.एट्र. ट्यांच्यूचे इंग्डेयु .यूचेट्यूचे .स्याया स्थाया स्थाया स्थाया स्थाया न्दा शुर्धित श्री देंबा श्री राप्तविपाय बार्या पर्दि वे अद्याय प्रस्ता पर्देश पर्देश वार्या प्रस्ता विश्व का स्वाप्त के विश्व का स्वाप्त के विश्व के प्रस्ता के प्रस

त्दी क्षे.येषु देशद्याच्याच्याचेषु त्यत्वाचित्र खे. लूच खेच विद्वाचीय देशे त्याचरवा चित्रे र प्रत्ये वा चार्य व स्वत्र्वास्त्रक्षाः श्रेष्ट्रिन्यः स्वायः वित्रम् । देते द्वेत्रः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स् इतः स्वरः स्वरः स्वायः स्वतः स्व स्वतः स ल्यूय.क्षेय.विट.जूवाय.चू.लूट.झुटे.किट.उ.वाध्याचीवा.जय.झुटे.त.दूटा क्षि.कुपु.चू.वर्ष्य.कु.वर्ष्य.झुपु.चूवा.दुपु.चक्.क.ट्वी.वर्ष्ट्र.लय. शुःक्षेत्रं संप्तन्यत्रं रे क्वें व्यक्ति श्री व्यक्ति क्वें व्यक्षित् क्वें व्यक्ति स्वत्य विषय विषय विषय विषय ्यर्चे प्रमाणित्र श्रु प्रवेश पश्च प्रमाणित्र श्रु प्रमाणित्र स्वाप्त प्रमाणित्र स्वाप्त प्रमाणित्र स्वाप्त प्रमाणित्र स्वाप्त प्रमाणित्र स्वाप्त स्व

यद्यः मूंलः क्वलः ज्ञीन् मूंचान् क्वीन् प्राप्ता है। अर्क्ट्रियः युः क्वलः अनुन्यः मूंचान्त्रीत् मूंचान्यः क्व मूटः बिश्वः युव्यः क्वतः ज्ञीन् मूंचाः क्वीन् युव्यः क्विः युव्यः युव्य भूण सं ते माणुर्न मान्य ने साम दे के माणु ने विस्मार्टे वासून वा स्वापित हो पार्टी हो पार्टी के पार्टी के पार्टी के साम के साम के सम्मान के साम के सम्मान के समान के सम्मान के समान के चकुबादी चहुँ हैं है निर्मेशन विवारेन ूर्व कुर चेंद्र कुरी पूर्व के ने वार्ष दे हैं ने वार्ष दे न्दः ध्रीः त्रें या नविः श्रुचा अववः नवः श्रुः श्रुच्यां विदेश ने नविः स्त्रुच्यां विदेश स्त्रुच्य

याक्याक्षातियात् कुवायाह्ट या ट्याट्यायाह्य होता वालु याक्यायह्य त्यायाह्य वाल्यायह्य त्यायाह्य वाल्यायह्य वाल्यायव्य वाल्यायह्य वाल्यायव्य वा ब्रीन्टिंद्यां स्थाप्तान्त्रम् स्थापत्रम् स्यापत्रम् स्थापत्रम् स्थापत्रम्ति श्चा इसमायान्यः स्वेतिः युः नर्सु दः श्चीः

र्श्वेन प्राप्ती त्येनामा कृषा अयः नुः भ्रम् नामा निर्माया प्रित्या प्राप्ती नामा भ्रम् स्थानामा स्थानामा स्थान

चवित्र-तृ-क्ष्य-श्चैत-त्य-श्चेत-श्चेत-श्चेत-श्चेत-श्चित-त्य-श्चेत-श्चेत्र-त्य-त्य-श्चेत-श् इत्त.वेट.विवाब.क्री...देवाव.टजे.लूट.शवव..द्वांब.देजां डे.पड्सब.क्री.ट्ज.इज.वेट.विच.तपु.चे.चर्च. स्थय.क्रेज्रावच.टट्.क्रु.ट्यट्य.क्री. द्री प्रतिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द्रिन्द् विन्द्रि बिट तहा के कर वो केंब श्वाच हो हो दे क्षे कु त्यसं से द रंगर सुर र्षेत्र

ळ्यःब्रीतःब्रॅ्यःब्र्हेरःय्यंदःगवर्तःयात्रेयःबेदःर्देवःयवःयवःयवःयात्वेषाःच्चरःब्रेताः विवःक्रीतःते चुन्तःवस्या म्यान्तर्व म्वत्राविव म्बूय्यान्त्र स्वर्था स्वर्धन मित्र प्रिया स्वर्धन स्वर्थन स्वर्थन स्वर्धन स्वर्यन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर 'नर्वोबानाञ्चार्खसायाराबेनापराक्रमबारेबारेना नियस्याळेबार्खसायाहेनाबा याबाविरवाणीयाबारीनाना नियमानसूरा नेपावीबा

के.यद्व.वावयासी.संट.लूट.राज्यासीया

वाबकानं अंबर्य द्वा अन् केवा केन या श्रे क्रिंन यम यही वा यदि मराये का मिल कर श्रे वाहिवां वा श्रे यही मराये प याची प्रति । प्रति श्री प्रति श्री प्रति । प्रति श्री प्रति । चीव्यात्रवात्त्रव कूंचया मुना नेता निवास के स्वास के स्व इंचया मुना नेता नेता निवास के स्वास के स 

युग्नायाची तकते हैं त्रित्ता विद्यात्रीय वर्गाय युत्ताविताया वर्ष्ट्रव वरम्ट्रव वर्ष्ट्रव वर्ष्ट्रव वरम्य ब्रिट विट । क्रिंब क्रि. क्रिंच क्रिक व्यवस्था कराया निहान वित्र क्रिक विवास स्ट निहान क्रिक क्रिक वित्र वित्र चॅंद्रॱबूॅटर्ब' सु:दर-बिट्: क्वुंब'चदे वट कॅब ग्री 'वळद्' वृंब' बॅब 'चंब' संबंध र्ड बेद 'दर्बे 'वें 'वेंदि'। हे 'देंदर चक्वुं के 'वेंद्र मुंब के 'वेंद्र है नवा के दें

अञ्चर्ने**र** विच्या अर् या विचा रेता

श्चिमायित्रं त्यम्यम् यात्रर मेरी स्टेंब दिन स्टेंब प्रमेश प्रमायित्य विष्णु या महत्व विष्णु विष्णु श्चिम स्टेंब स इ.विश्वयाताः श्रीटानङ्गित्राचा त्रीवायां त्राचना त्राचना त्राचना त्रीता न्यान्त्राचा त्राचना त्रीता त्राचना त्राचन नवींबास्त्रमा वेन् वेन् वेन् वेन् वेन् विन्या केन् विन्या नं र्नट ग्रुंब्र्य र्ने के क्रिक् ग्राब्र्य प्रति प्रति प्रति प्रति क्रिक् क्रिक् में प्रति क्रिक् क्रिक क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक क् यम्य भी या निर्मे र मिर्ट र मिर्

चाक्रें - त्याक्रियाक्ष्यां प्रत्यात्र व्याप्त्र व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत्त व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत्त व्यापत व्यापत्य व्यापत व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व्यापत्य व् हें क्वेयावन ग्रेमाक् क्वें तक्कें नं देवान जन जिया ने का भीता मार्थे होता ने स्वीत हैं ने है

स्या अत्यक्षित्व स्वर्याक्ष स्वर्य स्वर्याक्ष स्वर्य स्वर्याक्ष स्वर्य स्वर्याक्ष स्वर्याक्ष स्वर्याक्ष स्वर्याक्ष स्वर्याक्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्याक्ष स्वर्य स्वर बेन्। बामिति, ब्रमान्ना सुन्ति के अट व विमानी बार्चन हूट्यां ग्री केंग खेनाया मान्न नेंद्र समाना केंद्र तहा महास्थान स्थान स्थ क्षे संयम हैं परे प्रमाय प्रमाय के मार्च के मार्च के मार्च कर कर के मार्च के मार्च के मार्च के मार्च के मार्च म श्चिर विवा नी क्रिक्ष खर्मा कर कर रेट्र यं छेट्र अपवर श्चे राया अस हिंदी हर र क्रिक्ष है स्वर्थ के व श्चे प्रम जुवाबाद्मां विवायहिंवातार्या, यह शाहीर पट्टी होरा होता है अपने सामी विवाय होता है विवा तशुन होन पर रे क्रेंब होन श्रे व्यान वाबन देव तरे निवाल स्थानशुनिष परी पर क्रेंद स्वा क्रेंट स्वा विवास होने त्रवृत्रित्राचा चेत्राची देव चेत्र ह्रव देव के क्षेत्र विषय क्षेत्र के विषय के कि 

वर्ति हम्भूतान्त्र के स्त्रीत्त्र के स्त्रीत्त्र के स्त्रीत्त के स्त्रीत्त के स्त्रीत्त के स्त्रीत के स् 

कूवाबाला ईया वर्षेत्र प्रित्त क्रिक्ट क्रिक क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक क्

द्वैयःग्री प्रविष्यं ग्री मुन्दान्य द्वित्र प्रवासक्ष्य वास्त्र प्रवासक्षय मुन्दान्य प्रवासक्षय क्षेत्र प्रवासक्षय

व्यटम्बर्ना हुन्य हुन्य दुन्य हुन्य हुन्य

श्रुपा चश्चन्यन्यश्चरत्यक्षत्याच्यान्यश्चन्यावक्षत्याः स्वाप्तान्त्रम् । विकास्य । वि

तर्-द्र्याचीकाक्काळेते क्रें राक्षुः अटाळेवाकाळे काण्याचाकाळे कालेवाका देता हिला स्वाप्त क्रिया क्रें वित्र के वित्र के

चून क्रिया क्रि

वै वॅद्ध क्ष्य अर बेद द बे उद च वेषा देन

कूर क्षित्रक्षक्षयः कूर्य ज्ञान्त्र क्ष्य त्या ह्या नियम्बाय एहू वाया श्रीया विष्य व्यापश्चित प्रदेश वाया श्रीया प्रवास क्ष्य क्ष्य

क्ष्यात्रेट्यात्रेयात्

बुट चित्र चर्या संस्वक्य ग्रेयाका अर्थ त्या स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर क्वा क्वा स्वर्ण स्वर

न्यासः वियानेत्।

सम् ब्रिमान्ना तर्ने से प्रकार्य प्रकार्य प्रकार स्वार्थ प्रक्षित स्वार्थ प्रकार स्वार्थ स्वार्थ प्रकार स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ

यी नायूर्ट मार्ट केया कर ही हीट भी नायूर्ट माराजय ना ना महिट कु मारी विपार ही मार्ट मारी

स्ति स्वेतः स्वातः प्रकार में क्रियः प्रकार में क्रियः प्रकार में स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्व स्वातः स स्वातः स्वतः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः स्वातः

वेण'र्रा

र्तः सह्वाचिश्चेतः विवाधिकात्तं विवाधिकात्तं

र्सेग्नराग्रीः ह्या प्यत्ति व प्यति व प्यति ।

ज्ञेन चित्रम्भाविष्यः स्वित्रम्भाविष्यः स्वित्रम्भावे व्यव्याद्वे त्याचे स्वाय्याच्या क्ष्यः स्वित्रम्भावे व्यव्याच्या स्वित्रम्भावे व्यव्याच्या स्वयः स्वयं स्वयः स्वयं स्वयः स्वयं स्वयः स्वयः स्वयं स्वयः स्वय

क्चंब्रःकुंबे स्वास्ति विवारणं टेंग्लूंच्यं चुंबे लूंचा क्चंब्रःकुंबे स्वास्ति विवारणं टेंग्लूंच्यं चुंबे स्वास्ति विवासिक्या विवासिक्य विवासिक्या विवासि

ત્યાં છુ ર.જી. ચૈંદ્યાં તું ક્રાં ચૈંત્વર્થયું શું શું શું તાર્થયા ત્વૃત્ર ક્રેંત્ર તાર્થયા તું તું ક્રેંયું તાર્થયા તું તું ક્રેંયું તાર્થયા તું તું ક્રેંયું તાર્થયા તું તું કર્યા તું તાર્થયા તું તું કર્યા તું તાર્થયા તાર્થયા તું તાર્થયા તાર્થયા તું તાર્થયા તું તાર્થયા તું તાર્થયા તાર્થયા તાર્થયા તાર્થયા તું તાર્થયા તાર્થયા તું તાર્થયા તાર્થયા તું તાર્થયા ત

मुन्यत्यत्त्र न्त्रविकार्यस्य स्वत्यत्र स्वत्यकार्या विक्रान्त्र न्त्र स्वत्य स्वत्य

लूर्ने तर यक्षे र्वू

स्वास्त्र स्वास्त स्वास्त्र स्वास्त

वार्यक्रम्य विकास स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्थान

प्रस्ति स्ट्राक्ष्य क्रिंट् क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विश्व स्वर क्षेत्र क्षेत्

यात्रकां द्धारा त्यातः विवा चेहें दार्जा निरुष्टका याचे पात्रका याचे पात्रका हिन्द पात्रका याचे पात्रका पात्रक क्वें नं कर तहार क्वा मा निवासी निवासी क्वें વું નું એન્ નું નું તાલું ત ब्रे.स्थब.ज.२.५५५.ची.पश्चे. 

न्नेट्सं प्रीयक्ष्यं स्थान्य बेट.खेबोब.क्रीय.टेबोल.ट्व.लूट.शवब.डूबोब.लेलो ट्रे.पड्डब.क्री.टॅब.डूब.डीट.धेव.तपु.बौ.पर्देचे.झशब.क्वेल.विच.टेट.शु.टेशटब.क्री.विय. टूब.पर्टूच.पर्देच.पर्देच.क्ट्र.खेबो.लूट.च.डीट.क्वे.ट्रे.ट्रेटी पट्टूब.वीड्ब.वाड्डि.इय.चर्डट.डूबो.चंब.क्ट्रब.लेबब.क्ट्रट.वाड्रेय.डीट.क्वे.ट्रेट.वे.ट्रे. चें हे 'हुं एं पु गिर्हें 'श्चर क्रिं अंक अर्थ के अर्थ के विषय के पर के अपने के प्रति कर के कि पर के कि कि के कि 

त्रवुषाळर वी ळेषा श्रुवाषा श्री हो र क्षें मृत्येया ये र प्र र श्रुर प्र र

चर्द्व मृत्र पवितृ स्थल प्रमुद्ध प्राप्त वित्र प्रमुद्ध प् चतः र्स्या द्वेतः श्रीन् श्रीन् श्रीन् श्रीन् स्वतः प्रति प र्म्नावयात्रम् वित्तावर्षः स्वर्णान्त्रे न्यायात्रम् वित्राचित्रम् वित्राचित्रम् वित्राचित्रम् वित्रम् वित्रम् बैंद्र-वार्यरा ज्यार्यायार्येते तेत्रे राजे द्वार्यके राजरात्र के राजरात्र के राजरात्र के प्राप्त क न्वे नुर्वे नुर्वे ने के ते प्रवे निर्वे के ति क के नते ज्वे मं मुं भू में प्रिंत यभी मं भ्वे न

चबु.च| रशर्याचकूषु.च्कू्याचंश्चर्ड्चाक्क्र्यालीचयाँगु.सरेवर्जाया.कु.सं.ची.बुवा.जाचश्चिर.चषु.धूर्या पहुँचा.स्रवे.गु.वियायाया.पर्दरा न्यवस्य प्रमान्य स्वतं प्रमान्त्र के निष्ठा हो देश हो त्या स्वतं स यन्ताकृताश्चरः सेन्यान्त्रात्वान्त्वान्त्रात्वान्त्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रात्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्त्वान्त्रत्वान्त्रत्वान्वत्वान् शे नंश्रेट्या श्रीया यहित क्रिया न स्वतं या न स्वतं वित्त होते । यह स्वतं या यह स्वतं यह स्वत चून निगरेन् निर्देश स्त्रा स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्रा स्त्र स्त्र स्त्रा स्त्रा स्त्र स् कूंचयाक्रिया देवेरावा श्री म्यावयाची चार्चे । स्वाप्त क्यावेराक्ष्य क्षेत्र क्ष्याचा व्याप्त क्ष्य क्षाव्य क्ष कूंचयाक्रिया देवेरावा श्री म्यावयाची चार्चे । स्वाप्त क्ष्य क्षाव्य क्ष्य ळेंद्र चुट हे<sub>.</sub> इ.अंट्र-टे. त्यूं. चंद्र-वंद्र, वीव्युं, वीट्ट, त्यंद्र, त्यंद्र, त्यंद्र, त्यंद्र, त्यंद्र, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, विव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, विव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, वीव्युं, त्यंद्र, विव्युं, विव्युं, विव्युं, त्यंद्र, विव्युं, विव्युं,

मुेव प्पर विदेश गृह्ग्य वार्षेत्य रेत्

्ट्रक् स्वार्चन प्रमुपार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स र्च्यं स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वार्चन स्वारंचन स्वरंचन स्वारंचन स्वा खेन्या के तकर हैं र र र वितर्भेष वर्णिय खराने र र वितर्भेष प्रमेष <u>न् ग्रीयायित्रायद्वी प्रवित्या के यापहुते द्वितायमा स्याकें प्रकेत के वाला प्रवित्य के त्र वाला के यापाय वित्य</u> र्पार्ट्र-कृपाःस्वायाः क्रुवांस्व क्रिक्ताः स्वायां के क्रिक्ताः स्वायां क्रिक्तां क्र च्यंत्र क्षेत्रं माश्चेया वे स्वा कि कर पते हिरानु सूर्र केरी देया या कर केंया शुम्य केंया या वे वा या वा या वे व 

र्चें - बूँ प्रात्तुः न्याते विष्यात्ते विष्यात्ते विष्यात्ते विष्यात्त्रे विष्यात्त्रे विष्यात्त्रे विष्यात्ते विष्यात्त्रे विषयात्त्रे विषयात्रे विषयात्त्रे विषयात्ते विषयात्त्रे विषयात्त्रे विषयात्रे विषयात्त्रे विषयात्त्रे विषयात्त्रे विषयात्ते विषयात्त्रे विष

य्रबं नर्जेन् विच्राये ये विच्राये न

स्वीयःत्रप्रकृति विवास्त्र त्रियः विवास्त्र त्रियः क्षेत्र क्

त्तुः श्रुप्ता श्रुप्ता स्वार्धित स्व

विषायहेर्दे वर्षायशीषायर होता

यम् बेर् छेष नहें र परि दे वे र्चेर के र्वेर के र्वेर के र्वेर के र्वेर वे र्वेर के र्वेर वे र वेर्वेर के र वेर्वेर के र वेर्वेर वेर्वेर के वेर्वेर वेर्वेर के वेर्वे

कुप्रः मिस्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति स्वास्ति विश्व स्वास्ति स्वास्ति

क्रमायेन मान्या स्थापित स्थाप स्थापित स्थाप स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थाप स्थापित स्थाप स्थ

न्गै:नून्नक्रुंन्द्र्ण्यासून्द्रम्यास्त्रेन्द्र्याः

ेर्देते छिर रेंद्- क्षे प्रत्यां ग्री वर्द न्ययम पिवाया छित् क्षे स्वादि हिया पाइस्यया सुद्धा है । देश वर्ष प्र कते द्या प्रस्था कर्ष क्षे क्षे स्वाद्या वर्ष करणा स्वाद कर्ष कर्ष स्वाद क्षेत्र स्वाद क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र , शुं अॱख़ॢटॱपेरॱख़ॗज़ॱऄ॔रॱपर्हेदॱॲद्। देवॱॻॖ॔॔॓ढ़ॱऄॱढ़॑दैॺॱपर्हेदॱय़ॱख़ॣॸॱॿॱ॔ॻॺक़ख़ॖ॔॔॔॔॔॓ज़ॱऄ॔ॺॱऄॣॺॱऄ॓ॱज़ॱॸॣ॓॔ढ़ॱॸ॑ढ़ॕॺॱख़॓ॺऻॗ देॱॾऀॺॱॸ॔ॕड़ॱ द्रवाबार्ग्नेवाबार्युः अटाख्यात्रेत् 'क्षेत्र' पर्झ्ट् ब्रिट्य विश्व क्षेत्र व्या क्षेत्र पर्स्य क्षेत्र प्रवित क्षेत्र क्षेत्र विश्व क्षेत्र प्रवित क्षेत्र क्षेत ग्याने त्युंयां कर्या दें तद विगा सर्दा दार्च दिन स्वाया की स्रों सामा स्वाया प्रायम स्वाया की संस्था प्रायम स्वाया की स्वाया प्रायम स्वाया की स्व

লবুদ্'দ্বি'ন্কুদ্'মা ৯:২ল্ম'গ্রী'র্শ্লুদ্

. ગુદઃ 5ું એ 'દ્રચાંદર્ચ' ફ્રી અદ્યુવ: જ્ઞુબ: વિવા दे ' એ ' રેવાચ' જે સ્કૂદ: અદઃ ર્વે અલુઅ: રુવ: ગ્રુઅ: વિવા જે વર્ષ: ' લેવા' એ વઃ પર અ: ચદ્યા : દઃ ઍ ' ગુદઃ ર્વે : सूर्णी अध्यान्त्रियान्त्रेयान्त्र्यान्त्र्यान्त्रेयायाः अधियान्त्रेयायाः सूर्याः सूर्याः सूर्यायायाः स्वर्णान्त्रेयायाः सूर्यायाः सूर्यायः सूर्यायाः सूर्यायाः सूर्यायः सूर् दैट'खुनब'ग्री'क्षे'दी'देनब'ग्री'खड़ेव्यच'नबदेनचंद्रचेनब'नट'वहुनब'चेबेच'वेबच्येनचब'केदेनब'नवन'देव'ने स'चेवेद्रवे

क्ष्णा भ्रेत प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्राप विद्रा दंडोलंचाम्यून्द्रं होमान्दर अंद्युत् क्रिलंच मान्यून चित्रं चुद्र हो युद्र द्रु अना क्रुल छी प्रदेश मान्य मित्र विवास देश हो स्वास यः विगः र्वेवः र्थेन

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} - \frac{1}{2} -$ श्चैत हो रंगी र्यं र पंरे र्वो तर वी से बंध के पदि पर्वे प्रबंध र विदायका क्रिय हो र विदायका क्रिय श्वेत विदाय विदाय हो र बुबाह्युरं पु पेट रायवां ठव पु प्राच्चीय किया विषय प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र

चैर्डिंट सेंद्र पते द्वप्य से वे चे चे पविषा इस्य लेग्य भूत चुयादर चेदायिव प्यदायां साम क्या किया किया के वार्य देवर से वे ्ट्राचे न स्थे अधुव स्थाप के पाय होता च हो । ता स्थाप के पाय के प्राप्त के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के प्राप्त के स्थाप के स्थाप के पाय होता के स्थाप के स्थ

षिला क्री. जबार्ट्स विवा बटा विवा क्षेत्र प्रतानिब क्षेत्र विवा क्षेत्र विवाय क्षेत्र हिंदा क्षेत्र विवाय क्षेत्र

यातर तिवत व के कुंवान के न पति वुकान निर वृक्षा राजेन पति सह नहिकानिवान सुव में न सिवा व के किया सुवा का की वारा निरा मुलायम्बर्यस्त्रेत् भी त्वावर्येव तेवो ग्राम् धेवर्यते द्वावर्षः स्वावर्यः स्

चत्रे त्रुच्याळेव ग्री कुयाय विवारे दी

यूट्यो गुटावित्र मुद्यो श्चेया श्चेया श्चेया क्याप्य क्रिया क्याप्य क्याप्य स्थाप्य स्थाप स्थाप्य स्थाप्य स्थाप्य स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य स्थाप स्य यहरमान्ता क्रियार्नेव चरायां श्रेरार्नेव संस्रुत्यां पानिवाधीव पास चर्ना वें नेतान्तर स्वाधीव प्रतिवाधीव प्रतिवाधीव

র্ਘিসা

्र्याः अर्द्धरवाः बुः नृतः वीवाः कृतः नृत्रें वाः कृतः वात्र वात्र वात्र वात्र वात्र वात्र वात्र वात्र वात्र व निर्माणीया वृत्रकार्क्षात्रे सेवाकायाः भीतिकार्ष्णीयः विवादार्मात्रे स्वादानीयात्रामा सुवाकारके स्वाद्या स्वादानीया विवादानीया विवादानीया स्वादानीया स्वत्वातीया स्वादानीया स्वत <u>ूर पर्बूण प्रेंब जेर्प्यावत केर प्रिट क्षिके व संपर्य पर्वा क्षेत्र प्रमार प्रमापिक प्रमाप्त के प्रमाणिक के व</u>ि र्नेपाबाग्रीबाहिबासुबाक्री रेपाबासाअर्वेटास्टार्न्टाचह्नेबार्वर्रेबां पुबा बिर्बाचार्वेटाचबपाबारार्वेपाबाग्री पावर्टार्न्टाचहेबाबार्चेटा शे. देवांब पवन ने शे. द्वांब का शे. दावां का शे. देवांब वाववें द्वांब के कि वाववांव के कि वाववांव के स्वाव के से वाव शे. देवांब अही व ही थ है ट क्षें त्रेणवाग्नी त्रेश प्रत्रे प्रत्ये वार्य प्रत्य विश्व वार्य क्षेत्र पाति क्षेत्र पाति विश्व प्रत्य क्षेत्र प्रत्य विश्व विष्य विश्व विष ह्यात्तर, दे. मुत्रात्त्र, त्रित्त, त्र्व, त्रित्त, त्र

र्ष्ट्रायद्देश्नास्त्राचेष्ठ्यात्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम्याप्त्रम् स्वाप्त्रम् स्वाप्त्रम्यम्यम्यस्वयः स्वाप्त्रम्यम्यम्यस्वयः स्वाप्त्रम्यस्यम्यस

चल्लेन क्री-त्या काविकाक्ष स्वीकान्त्र त्या क्षा त्या विवासित स्वास्त्र त्या क्षा त्या विवासित स्वास्त्र क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या विवासित स्वास्त्र क्षा त्या विवासित स्वास्त्र क्षा त्या त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या विवासित त्या क्षा त्या त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या विवासित त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या क्षा त्या विवासित त्या क्षा त्या त्या क्षा त्या विवासित त्या क्षा त्या विवासित विवा

वान्यविचाल्यान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रम् त्रित्त्रात्त

यंश्राम्बद्धः के प्यट से दी

ॻॖऀॱढ़ॏॸॱॼॺॱॶॺॺॱॸॖॸॱऻॱऻढ़ॗऀॸॱॼॺॱॸॸॺऻॱॶॕढ़ॏॱॼॴॸऀॺॱॾॱऄॸ॔ॱॺॺॏॶॱॿॖॏॺॱॺॾॕॺॱॺॖॏॸॱऻॗॱॸ॔ॹऄॎॸऻॗज़ॱॼॖऀॱॸॿॖॱक़ढ़ॏॱॸ॔ॹॱॺ॔ॹ॔ॱॹ व्याप्तर विभानेत्र प्रत्या में प्रतर के में प्रत्य प्रत्य प्रित् में प्रत्य के मानेत्र के प्रत्य त्रेयान्यत्वे त्र्राच्याः व्याप्त्राच्याः व्याप्त्राच्याः विष्याः विषयः व

म्याप्तिन में त्या स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वा ૹ૽૾ઃવતૈઃવૃદ્દઃક્ષુયઃર્જ્ઞેદઃગુંષઃર્બેદુઃઘઃલેવઃ૧૯૬૫ઃશુંવઃશુઃૠદઃવેલેવઃૠુવઃઘઃલેવઃૠેદ્દાઃ દેતેઃશુઁરઃશૅષઃજીયાં શુઃવંજેવા શુઃરઃદ્દાઃવૃષ્યરઃવદ્દેઃ <u>बि.सबी ्रु.पूत्रम्बर्य कु.सन् भ्र</u>ीन् स्वृत्य श्रीत्र श्रीत्र कुत्। इ.जूत्वा चुट्ट प्रवित्य क्ष्मिय प्रतित्य स्व बेद्रायं विषा देत्

त्रवायाः चेर्स्स्व विद्यान्त्र त्राच्याः विवाधिकः भ्रीताः भ्रीते भ्रीतिः भ्रीताः भ्रीताः भ्रीतिः भ्रीतिः भ्रीतिः भ्रीतिः भ्रीतः भ्रीतिः भ् त्र न्यायावत् क्रियः चर्ड्याच्युरः नदः चर्युरः विचः सूच्या व्याचेन् प्रदेश विदः चर्चा प्रवेश विचा व्याचेन् । व त्र न्यायावत् क्रियः चर्ड्याच्युरः नदः चर्युरः विचः सूच्या व्याचेन् प्रदेश विदः चर्चा प्रवेश विचा व्याचेन् । विवाधिक व कें व चिन ने वें व नवें व नवें व नवें के व नवें व न युर्णम्बर्यन्ते । वित्रत्ये । वित्रत्ये मित्र्ये । वित्रत्ये । वित्रत्ये । वित्रत्य । वित्रत्य । वित्रत्य । वित्र वित्र मित्र प्रमाणका । वित्र विव यट स्वर अर् सेवा प्रेव सूंब तर्ब अकूरी अकूर अहं जान सेवा विकास सूर्य सेवा कर से सेवा के वयब ठें नहें ने प्रति न विषय नत्तर से न प्रवास सुरा सुन न हों ने से प्रवास सुन में किया में में किया म र्च र्स्याया श्री त्रीया भी वित्र केंया वार्ष र्चित वाया केते रूट प्रवित्र दे रूप र्स्य र्स्या हु से ट्रा केंय

🎍 द्रभटब.व्युङ्क.च.पदींब.क्ट.शुट.तर्र विंशव.जैव्यंब.क्रिंब्य.क्रिंब्य.क्रिंच्.शुर्च.च्यु.शु.द्रव्यंब.क्री.वि.च्यंट.विव्य.जै.विंशव्य.जीव्य. मिन्द्रिं प्रचेत्र प्रचेत्र में मिन्द्र मिन्द् चंद्रः र्हेअबर्भेट्रा ट्राक्ट्यावेटबर्डियाबर्ट्या प्रदेशिकाळी प्रदर्भवाकार्या हिंगुका वेदार्प्या वेदार्श्वेयाबर्ट्या र्चर-हैवाबरग्री विर्मन्तर वार्वेद्या विद्यान स्तर्भात्र विष्यान स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्धन स्वर्ध विष्यान स्वर्धन स्वर्ध

चूट.चिबाकुबे.सूपुं.सूट.जीचेबातपुं.सर्थ.सूर्येचे.सूर्येचेपुं.सूचेतायेचेबाकुबे.चिन्येचात्रेचेवाचेताचेत्रः कूची विकास स्थाने स्वाप्त्र होता स्वाप्त्र स्थाने स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्वाप्त्र स्थाने स्वाप्त्र स्वा देवांबाचांत्रेबाग्री:वातुंबाक्ष्रदावाचावाच्यायोदांचादी याद्यवाचीयायांचेदाविकाचीदार्वेदाविकाचीयांचाचीयायायायाया रद्भुँद् हूंदर्भ च डीवा क्ष ल्यू देव विद् वी वार्व द लेवा लूद्भ हूं वार्य के लूवा है विद्या का लूवा है विद्या के लिखा है के लिखा है के लिखा है कि लिखा ह च्चे-पूर्य। न्यापः विष्ययः स्टाय्वियः क्वेत्रायुर् ग्र्यायः कूष्यायः ज्वेत्यायः क्वेत्यायः क्वेत्यायः क्वेत्याय च्ट्रित्राची क्रि. वित्राची व्यवस्था वित्राची व

क्ष्रियानर सूर्य क्ष्यालू पे. हुट्या वायेष क्ष्या प्रमान क्ष्या प्रमान क्ष्या त्राप्त क्ष्या શું વ.જ. મુંદ્રાતા ક્ષ્માં માં મું તર્યા મું વેલ દ. માં શું વ. ઘન માં મુંદ્ર તે દેશ તારે દું દેશ મુંદ્રો મુંદ્ર મુંદ્રા મુદ્રા મુંદ્રા મુદ્રા મુદ્રા મુદ્રા મુદ્રા મારા મુંદ્રા મુદ્રા માના મુદ્રા इयमाया क्वा ये हिनु या बेना तर्वेद के के पर क्वें दावेदनदाने देने क्वें दिन क्वें दिन क्वें के मान किन्ते किन्ते के मान किन्ते किन्ते किन्ते के मान किन्ते क हुंद्रभूत्रम् रूद्रभूद्रिद्विद्वद्यं ते देश देश स्था से व्यवस्थित स्था निष्य रेत्

कर्रां अ दे 'लेंगा ह्येंन् 'तु केंग नं 'नेर्र' कुन 'क्येंन् 'ह्येंन् अपने 'नेर्दद कुल 'हेर्र 'सुगम अपने 'रेर्प सुगम ह्येंन् 'से हुन स्थान से हिन्र न्मेंबा धरार्यं मेंदानु बुबारायित्वी श्रीनान्यर क्षेत्र त्रितार्श्वेन पर्वेत त्रित्वा श्रीना वर्षेत्र त्रित्व विवासी स्थानित स्थाने स् बेर या पृष्ठेषा सङ्गात्रा वुत् बेर दूर मेत् चे बार्च अया या क्षेत्रा बेर संग्री विषय से स्वार्थ से

तीचा सूची वाष्ट्र स्था वाष्ट्र स्था वाष्ट्र स्था वाष्ट्र स्था के स्था वाष्ट्र स्था के स्था वाष्ट्र स्था के स् र्युत्तान्त्रम् । त्री त्रुवान्तान्त्रम् त्रित्तान्त्रम् त्रुवान्त्रम् त्रित्त्रम् त्रुवान्त्रम् त्रित्रम् त्रुवान्त्रम् त्रुवान्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त्रम् त्रित्त् अर्केन वहें व की विदेश के अथ में र विया मुन्य भेगा मुन्य भेगा मुन्य भेगा मुन्य के प्रमुख के प्रमुख के र द की मुन्य भेगा प्रमुख के प्रमुख के प्रमुख के र द की प्रमुख के यथर ह्यार प्रधियः क्ट त्व विया स्वीत्र त्वा पूर्ण प्रमाणिया । विवास स्वीत्र स्वीत्र स्वीत् स्वीत् स्वीत् स्वा में प्रमाणिया । विवास स्वा विवास स्व विवास स्वा विवास स्व वि म्याश्चित्रक्षेम् नेषाक्षे यत्राचानेत्राचानेत्राचानेत्राचीमाने लेतायात्राचान्यात्राचीना के विष्याचानेत्रा चेताया ब्रुंत्र्स्यंत्रिः रेग्नं वे र्रायान्त्रमं वर्षमं यर्षमं यर्षमं यर्षेत्र स्वाप्ति विष्या स्वाप्ति विषय स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स् त्रे कें बार्टे कं ने बागी के त्रुपा अदा

तन्त्रणः में बर्गः विष्ठेत्रात्त्र विष्ठेत्रात्त्र । विष्ठेत्रात्त्र विष्ठेत्र विष्ठेत्र विष्ठेत्र विष्ठेत्र विष्ठेत्र विष्ठेत् विष्ठेत्र विष्ठेत् विष्ठेते विष्येते विष्ठेते विष्येते विष्ठेते विष्ठेते विष्ठेते विष्ठेते विष्ठेते विष्ठेते विष्येते विष्ठेते विष्ठेते विष्ठेते ्थ्नायसुरः श्रीका अटः पुंचित्र वित्र प्रेत् । वित्र विवानिका अविव के को केरायसर खूँ व सिंट प्रेत् प्रायमित्र अ विवादसुरः श्रीका अटः प्रेतिका केरा विवादिका अविव केरा केरा विवादिका अविव स्थापित अटा केरा विवादिका अविवादिका अ 

वै क्क्रिंब के देनें ब ने किया के देन

बॅद'तु ब्रुॅंद रावे थिया क्रेंद रेवे पॅंदे रावे क्रेंब हो बंदे देवे र वा वेंद थियों वो या बंदे से बंदा बंदे वा विवास कर विवास कर कि वा का कार्यों के बंदे रेवें पर्ययार्कूट्या चेर्-विश्वादी जार्चेत्रां अर्था लिजा सूर्या लिजा सूर्या लिजा स्वाया सूर्या सू बर र्देब क कंट र्हेंगब सुर्या देर यहेव र्येट धेया दे र्देब अळेंब यह र्श्वेट ग्री दुब या देट । यहिवा शुर श्री र ट यहिव स्व यदि धेया देया व येग्रबार्ये विवाधिता

र्ष्य, मिट के निष्ठ, जूर के स्टर्स्ट, लुवा जार निया वाय साची सर निष्ट हैं निर्देश हैं वाय स्थान से से सिर्ट के में सिर के में सिर्ट के में सिर के में सिर्ट के में सिर के में सिर के में सिर के में सिर्ट के में सिर के मे  यद्येयः स्त्रीयः स्त्रीतः स्वर्यः स्टार्स्त्रः स्वर्यः स्वरं स्टायक्षता साम्रकास स्ट्रायकार्या स्टायकार्य स्थान स्

प्टूर्र ग्रेर्न तप्तु के र जब सूर्य द्वाया विष्यु व व या के त्वाया के त्वाया के व तथा के तथा के व तथा

त् श्र. स्वीया क्षेत्राच हूर् . श्राप्ट . श्र. यह त्या पहुंच . यह त्या यह य द्रवाबाउबा श्रे-द्रवाबाग्री-द्रवाचावबा भेराल्व क्रियाची व्याप्त प्रवाचिबाल्य क्रियाची क्रियाच ૄ૱૱૱ૺૹ૽ઽ૽ઌ૽૽ૡ૽ૺૺ૾૽ૹ૾૽૱ઌ૽૽૽ૄૺ૱૱૱૾૽ઌ૱ઌ૽૽ૹૄ૱ૹ૽ૢ૾૽ઽ૽ૺ૱૽ૺૡ૱ૢ૽૱ૢ૱૽ૹઌ૽૱ઌૹઌ૽૽૽ૺૹૢ૱ૐ૱૱૱૱૱૱૱૽ૺૹ૽૽૱૱૽ૺ૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱૱ द्वपायाची स्नित्तिया स्वापाय विकास मित्र प्राप्त स्वापाय स्वाप रेण्याची वित्रक्षाण्य ने संस्थाय त्येया कुषाय में श्वाय के अभिया वित्या वित्या मुद्राय मुद्राय मित्र स्वाय के स

दे लाब र्स्वा है। श्रे तीब ग्री ह्मद धीवा खेवाब हिंद केंबा इसब से दान र ग्रुंद कें। श्रे तीब दे गाव ब समय दिए तथे या कुब रॉट से श्रि ही ता या <u>ने 'क्षर वृत्ती'र्रेणवाक्री र्राट क्रें</u>ट्र'वे 'ने प्रवाणेट विटासेना ने रामहेव स्त्री र्रेणवाक्री 'यव र्रेन् विटासे रेणवाक्री क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का क्षा का कि मॅश्रम्याविमानवंदार्येत्र शुर्वे श्रुपंत्रं । अत्रधेवाययेया क्वां वर्षेत्रं स्त्रुमंत्रं श्रुमंत्रं स्त्रि स्तर् लबर्चे हिंदबर कुर त्वावर ति देश के कि ता का कि ता कि त द्रैणब् स्री लुट् च बिण थ थे जे ज्ञानबर चर्च ग्रुब ध द्रिया क्रुब च निर्देश क्रुब च जिल्ला क्रुब च ज्ञानित विवास

वैगुं नेर्

र्वेश्ववर्षे, तेथा विषयः व विषयः वि द्व-र्ट्याविषान्त्। लब-रविषाविषानी शेन्यत्व-प्रते प्रमान्ति त्या क्षेत्र-प्रवाद्य-प्रवाद-रविषान्तः क्षेत्र-विद्यानी स्वाद्य-प्रवाद-प्य-प्रवाद-प्य-प्रवाद-प्य न्ता बिरायविग्नर्त्र प्रमाणकेते पर्वे प्रमाणकेता प्रमाण ५८ ऒॗ॔ व.क. बूर्र- प्रधिला क्री.क्यूबा कुर्ट कुर्प व. प्राचिक्या प्रचेता क्रिया क्रिय क्षंयानुँदार्द्यांवहें द्वा व्यवस्त्र्यान्विनार्येन्यां अर्वे विद्यात्रीत्यां अर्वे विद्यात्रीत्यां अर्वे विद्यात्रीत्यां अर्वे विद्यात्रीत्यां अर्वे विद्यात्रीत्यां अर्वे विद्यात्रीत्यात्री र्टा अर्घ त्वेट्रेर्स ग्रें केंप्य परि हिंद् भ्रां क्या की भ्रे की खुट पर बिर्ण जी का जीट पर पर कुद ख़द की का जाद की ख़िट केंप्य की दार्थ की स्थान वया क्रियाया क्रिया होया है। देवी वहुँ वी वाया के विश्व में वाया क्रिया क्रिया है वाया क्रिया है वाया 

र्श्वेषायाः अर्देनः व से त्येषायाः प्रविषाः ने न

यवील कुर्वास्तर्ते से ते ते हिंदा श्रीय कार्य र प्रिया विद्या हिंदा ने प्राया स्वाय श्रीय प्राया प्राया स्वया श्रीय प्राया स्वया स्वय स्वया स्वया

यानुसाविया देना है सूर द्वींबा के त्यांबा त्यांवा सक्तांबा तहें या हु बा के त्यांवा वा के ति वा के ति वा के ति

व्यस्तर्भावन्त्रभावन्त्यम्यस्तिन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभावन्त्रभ

श्रेम् अत्राचर्रमा श्रेन् प्रमेश पाने सु अळत रही प्रमाण है मा अर्द्ध र मा धेना

तद्रची न्यावयाक्ष्यात्वायाक्ष्यात्व्याची निवाय चर्यु इया समझे साथा चर्याच्या स्वाय क्ष्यात्वाय क्ष्यात्वाय क्षयात्वाय क्ष्यात्वाय क्षया क्ष्यात्वाय क्षयात्वाय क्षयाच क्ष्यात्वाय क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्षयाच क्ष्यात्वाय क्षयाच क्षया

  $g_1 = \frac{1}{3} - \frac{1}{3}$ गुट-दिन्नट-पीय-धुँवाय-पिठेवा वय-चेद-र्बूटय-ग्री-अय देव-धूँवा पी. कुण वि दट-शुच-दिन्य वि वय-दिन् । धुँवीय-पिठेवा वय-भूँव क दट-र्वेत्रःत्रष्ट्रवायः अटः वेत्रः हेवात्रः वेटः वीट्येता

<u>ૄે</u>૮૮.૧ૺ૮.૮ને૮.૨૧૪ૣ.૧ૌઉ.લુંય.૮.ૹૣઙૢ.ઝૂ૮.ફૂઁ૮ય.ઌય.ટૂ્ય.થ૮.વી.ઝુવ.થ.છુય.છુ.કૂઁવીય.વોધુય.ત્રોસ્ત્રકૂવોય.ટી૮.૬ૂંયો હસંજ.ટી.ઝૂ૮. ब्रैंटबःशुःचरुतःब्रेंद्ःगुटःदेनुटःषीःशुःळवःग्रटःहेटःसुतुःद्वः। ग्रुटःदेनुटःशैःदेषाबःयबःदेवःशुःथेदःवदःषीःग्रुतुःदेवःषविदेवःयःदेनुटः हेटःदेवःषविबःटःळे चेदःब्रेट्ट्योःशुःववःग्रटःहेटःसुतुःद्वः। ग्रुटःदेनुटःशैःदेषाबःयबःदेवःशुःथेदःवदःविदःषीःग्रुतुःदेवःषविदेवःयःदेनुटः र्न-र्बेट्यां विद्यां के त्रियां के त्रियां के त्रियां के त्र में में के त्र के त र्ट्स्रायक्षियां के क्षिटालक्ष्याच्यां स्थानक्ष्यान्ता निवास विकास क्षित्र क्षित् मुनेव र्षुण विः तहें अष् वुर तहेव नुर निर नुर कुण विन की अळवे स्वर लेगु वेदि र पेते निव ष हिं या की प्रकेश विव र पेति विव त्र प्रत्यात प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्या के प्रत्य के प्रत्या के प्रत्य के प् र्देश दिहे व नर्र के प्रत के वाय दिन है वाय दिये ते कुषा द्वें दिवीं स्वाव के परि राजे न

चयु. भेष. त्रात्तां व्यात्तां व्यात् केव तर्गाय विजा भी जायर पहें जावया जावें पटा ं अहें या बूट या विषय ता प्रेम केंद्र प्रकाश कर विजा के किया जावें की प्रमास के विजा के किया जावें की प्रमास के किया जावें की *ॖ*ज़ॱळॅॸ॔ॱॸॆॱॸॆॸॖ॔ॱॾॗ॓ॸॱ॓ॺॺॱॸॺॱॸ॑ॸॱॻॏॺॱऄॺॱय़ऄॱॸॕॸॱॣॗऀॸॺॱॴॺॱॸॕक़ॱॺॎॻॱक़॑ॸॱॻॏॱऒॗॕॖॹॱऴॱॸॸॱक़ॕॸॱख़ॿॎॖॴॼॕॖॱॻऻॺॺॱख़ॖ॔ॴॱॾॺॺ॑ॱॸॻॱॿॕॻऻॱ वैषासुतुःग्राटाये से ज्वार्यवाषाया वाष्यया देन हो दान दान कवषा हैवा सव् क्षुवा वरा त्याया हो ता है। या वर्ष से

यंत्रप्रायायक्त्रप्तित्वं वर्षान्वीषादेषान्दर्भेत् श्लेटा स्वाधित श्लेटा खेला देवा वा सेट्या अटा वृषा विद

मर्छे तहें द:इसका प्रकार ते श्वमा तथ्ये ने हे दर्भ महिमा महिमा ने हे के खूर के श्विन श्वेक श्वमा ने हर्भ महिमा महिमा महिमा महिमा ने हिमा महिमा म ब्रह्मायस्त्रेन् हे हे बाबु यय सूर्व मुन्दे ने ने ने ने हिंद बाबी दुन बावी का मुन्दे ने बावी का मिल के कि का मिल के से का मिल का मिल के से का मिल का मिल के से का मिल का मिल के से का मिल क 

कर्द्वेर्रः त्रियाक्षेयात्वेयात्रेयान्वेवः क्ष्यान्वेवः क्षेत्रच्यात्वे क्षेत्रां क्षेत्रच्यात्वे क्षेत्रच्यात्वे विष्यात्वे विषयात्वे व અર્ત્ર 'શુલુ: बैर-धेर-छेब-१८-१ वृत्र 'बेद-१-इ-०४ छेब-छेर-दर्वेल-१ अन् अन् अन्ति । अन्त विन्तिन बेशवाह्मतीयात्वीता केत्र क्षेत्र क ्युंबर् क्षेत्र व्यादेश हैं वार्ष के देव पावर विवाद के देव देव स्वाद क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विवाद की का का कि का कि का विवाद की का का कि का क केते से सूरह्मा तार्य कृत्य क्षिण्य प्रमान

 $\frac{2}{3} - \frac{1}{3} - \frac{1}$ चलन हिंदा निरंत्र अर्थे मुद्दु विदेश्त्र विदेश में प्राप्त के के प्राप्त के के प्राप्त के किया में के किया में के किया में किया म त्वीन् स्वाचित्रं विष्याची विषयः विष लब विर्मात है ने प्रमाल है व निर्मा की मार्च मार म्रॅं मर्देशमंत्रुम् संगुषाणी यस्तर्मुयां वर पुरादेशमंत्री विवायमा दिन्ति । वर्षा वर पुरायमा वर पुरायमा वर्षा वर्ष चेत्र चुका दक्षे वित्ते वित्ते कार्के कार्के दक्ष की अर्था सवा चेठन ने प्यानिक नित्ते कार्के निवास के नित्ते कार्के कार्य निवास के निवास क चर्ठेबर्दर्प्याचेरःबेवाबर्ग्यस्ति । यूर्द्रप्राचीयां अध्यक्षेत्रयावाचा स्तराचेत्रयात्र विता दार्के कुर्वेद्रप्य

 $\vec{\nabla}_{ad} = \vec{\nabla}_{ad} \cdot \vec{\nabla}$ र्वेरं त्रवायार्थे नेष्ठां र प्रतायार्थे हो। येगवायर्थे वापराप्ते प्रताया हिन्द क्षेत्र के प्रताय १८७१ वें र प्रेंच सु वार विवा नुषा धें पर पर मुच एन्न वार में वा वावप में बाद विवा स्वा धें पर में बाव की वावस रट प्रविव र्याष्ट्रं र्या यो प्रवि

द्राह्मण्डेत् कुण्ये च्राह्मण्डेत् व्याप्त क्ष्मण्डे स्थाप्त क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्डे स्यापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्डे स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्य स्थापत क्ष्मण्य स र्ने त्राध्ये प्रत्ये व्याप्त क्ष्या क्षेत्र क्षेत्

ने ॱ<del>ऄ</del>ॕॖॺॱटे॔ॱऄ॔ॻऻॱॿॆऺऺऺऺऺऺॸॱय़ॿॖॎॻॱढ़ॎॕॸॻ॑ॺॱॹॖॱॻऻॸॖॕॸॱ॑ॻऄॱॱय़ॹॖॸॱॿ॑ॸॱऻ॔ॱॸॿॖॸॱॸॖ॑ॵॻॱऻॗॕॸ॔ॱक़ॕॺॱख़ॖॻॺॱॸ॔ॸॱऄॱॸॆॻऻॺॱॹॖऀॱॸ॔ॸॱक़ढ़ॆॱॻऻॲॱ चुंबरबॅर्न चेर स्टूरबर्दर्ने त्रेष्ठबर्झे स्टर्झे बर्ट्स होत र्ना हिन बीव चेर होते चेर स्टूर बार ने वार्य विवे की बार स्वा विवासी

विवाबायदेव वाबयार्देन ये जुरायेना

द्याराता, दाक्षात्र स्वित्त स्वत्त स्वता स्व इस्य स्वता मुद्दे स्वता स चार्ट्स-पा-प्रस्याचेन-पानेन-स्वानान्त्रम् वान्त्रम् स्वानान्त्रम् । वान्त्रम् विषापेंत्र दे त्याराययत् हैं वर्षात्रा स्ट्रिन स्ट्रिन स्ट्रिय होता वर्षा वर्षा स्ट्रिय होता या सामा दे स्ट्रिय पूर्वे वे क्षेत्रः क्षण्या मुख्यं प्राया गुप्तः क्षणायते र क्षेत्रः मुक्त

यविषान। निर्मास्याम् दिरान्त्रेयान् मुना

वयः सूर्यायः परिष्यः सूर्यः सूर्यः प्रत्यातः पूर्वः मूर्यः सूर्यः इश्वर्येटः बर्वे न्यात्राचार्यः वित्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र इश्वर्ये न्यात्त्रात्त् 

नः वित्रुद्रा विश्व कर्णा कर्णा के वा कर्ण कर्ण कर्ण कर कर्ण कर करें का के निवास के निवास के निवास के कर के कर तर्द्वाञ्चे यात्र व्याप्त वित्ता के कि त्या मा के कि त्या मा में मा प्रतान के मा के त्रियादे के स्वयंक्षेत्र व्याप्ति के स्वयंक्षेत्र स्वयंक् मुेब ग्रीका निरादर अर्थे ग्रायु बि वी रास्ट्रिय अराज सुवा प्रम्था थना श्रीया आवता दिरार से अपनि श्रीदा आवित धीवाया दर्गा दर्दना वयाद्यात्वेराचुम्यात्रस्य स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्व

षद्भेर्प्ता तामा भरत्र प्राप्त मात्र के के मात्र के कि बर्दवा क्षेत्।यूरातुः राक्केंद्रेः यान्दाकुरायार्द्धव् उव । श्री व प्रतानिक विष्या विषया श्री प्रवासिक श्री व तवार्याचित्रान्ते । विश्वत्रात्याया स्वाया निर्मा वाराक्ष्यां या प्रत्याया चित्रा विश्वता विश्वता स्वाया चित्र र्देबं विट तक्ष्यंबरपदे विवा वर्डेन नटा विवे देश श्रेन नंबर वि संस्ति वाबर विवास स्वाय विवास स्वाय स्वाय स्वाय

बुट्टा अस्ट्रायायुः त्यान्त्र्रम् त्याम् कृत्यायायुः स्वायायुः स्वायायुः स्वायायुः स्वायाय्युः स्वायायुः स्वयाय् स्वयायुः स्वयाय् स्वयायुः स्वयाय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वयय् स्वय

ब्रे.ल्.पब्रट.ज्येवयाच्यूट्यामुच्यत्वेवाची,वट.ज्युव्यत्व्यत्वेद.ल्.च्यूच्यत्वेद.ल्यूच.ल्यूच्यत्वेद.ल्यूच.ल्यू

क्षेत्र, यावश्चर्यात्वर्यत्वर्यात्वर्यात्वर्यत्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यात्वर्यत्वर्यात्वर्यत्वरत्वर्यत्व

द्रातिवयः तर्वियाः क्ष्यः क्ष्यः व्यापाः व

यानेबाचबद्यार्स्तिः व्यवादेन व्यायन तुंबा केन संसिन व्यन्तर देन

त्रश्च क्षिट. ट्वा हुर. व्रिय हुंच स्व्या व्यक्त व्यक्त हुंच स्वाय श्वेट. एष्टी यक्षी क्ष्य स्वाय स्वयं व्यक्त स्वयं स्

त्र वित्र व

कॅवाब विवा त्वुर है। देव निर्दे नेवाब विवाय है। या साम है। विवाय है विवाय है विवाय है विवाय है विवाय है विवाय है

त्रं बद्रं क्रियां यो विदे प्राया हिता है विदे प्राया हिता है के यो हिता यह स्वाय है क्रिया यह स्वयं यो है विदे विद्या स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स

बाबिदानबराञ्चेताताञ्चेदाञ्चेदाञ्चेताच्चेताचुंबाचुंबाचुंबाचेदा। वैत्येते देदानविदायचुंदावेदावेदाचे वेदाने वेदान त्रच.कंबा.मु.चक्के.क.कं.चर्थे.लब.भु.वेचल.च.रटा कु.मैच.ह्रब.कु.कंबायचै.क्ट.मे.यट्ट.पर्ट्ट.केंग्लेय्.वेय.पर्ट्वा.रट.कु.पेक्ट्टा व्यट्ट्ब. चित्रा प्रचे.कंबा.कु.मैच.च्टा केल.बश्च्याबिट प्रचे.रटा ब.च्यी प्राचश्चात्री.क्ट.क्यं.च.प्रचे.टटा ब.च्यी प्राचश्च वाबुब निर्मानहे स्ट्रेन स्ट्रिक स्ट्रेन विकास सम्बद्धान स्ट्रेन स्ट्रेन के लिल स्ट्रेन क्रू वाया यह क्रु. तर् प्रमुख्या विहार या प्रमाणिया है ते । वर्षा १००० व्यापाल कर्ण विहार क्षेत्र विहार विहा યમં માલુયા શું માલે સંદે માનું માનુ *६* ट्रम में मुद्रबन्ध्य र्सेन श्रेन ग्रे अनेन

चित्र प्रचित्र मुन्त हो। देवर पर प्रमासी वार्ष से वार्ष के मुन्त हो के प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के

पर्यातपुर स्टेन्या व के के स्ट्रीयाव प्रवास के स्वास के स्वस के स्वास के स श्रॅंयः क्रुंबः ग्रीः केंटः में अंगः श्रॅंयां श्रूरः पंबें छुवाने। बिटायर्चेना प्रदाने हिरायदा रहेवा श्रीर प्रवेश स्वीता न्दः तं क्रम्या च्रमः स्पेन् प्रते : क्रेन् च्रम् विदः तर्ज्ञनं प्रदः क्रेन् च्रमः क्रिन् च्रमः क्रिन् च्रमः क्रिन् च्रमः क्रम् विदः तर्ज्ञनं प्रदेश विदः विदेश क्रिन् च्रम्य विदः तर्ज्ञनं विदः तर्जनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्जनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्जनं विदः तर्जनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्जनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्ज्ञनं विदः तर्जनं विदः तर् ्टर.जृपाबाक्निया से.प्यू.याबुधालूर तार्टा का.क्याबाबर क्याव्याच्या त्याच्या त्याच्या त्याच्या व्याव्या व्याव्याय याव्याय याव्य चर्डेंबा विषयं चहेंदे हैं से संस्पर प्राया रेस ही की से हिवा सर्वे रे ही व रासेवी साम रेते रेपा है से साम रेते हैं से संस्पर है से साम रेते रेपा है से साम रेपा से यशर्देव यं यव प्रविव र्थेन

चित्र व त्रिया क्षेत्र व क

क्ष.पश्चेर.पटा र्चा.स्प्राप्त.भ्रे.र.र.स्य.प्रे.स्य.प्राचीवा.स्ययाचीवा इ.स्ट.क्ष.प्राची.स्ययाच्ययाच्या क्षेत्रस्य स्वर्णा स्याचीत्रस्य स्वर्णा स्वर चॅर्भूर-कुःभेर्द-पट्न र्वंबद्धन्वर्षेर्यं चर्डेक् चर्र्युर-विंद्र-एक् छेर्ट्यात्वावः विष्युर्वेषः चर्चेक् चर्ये स्वर्धे विद्यात्वेषः चर्चेक विष्युर्वे स्वर्धे विद्यात्वे स्वर्धे विद्यात्वे स्वर्धे विद्यात्वे स्वर्धे विद्यात्वे स्वर्धे विद्यात्वे स्वर्धे स्वर्धे विद्यात्वे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्धे स्वर्धे स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर्ये स्वर् क्रूच्यम् क्रूच्यत्वाचाः चुः प्राप्त क्ष्याः विष्यः विषयः क्ष्यः विषयः व शु. ब्राच्या त्रात्त्र प्रमुच, ब्राच्या, क्रिया, क्रिया, क्राया, त्राया, क्रिया, क् त्रण्यान्दर्च्यक्कर्न्यम् स्थाप्तान्त्रम् स्थापतान्त्रम् स्यापतान्त्रम् स्थापतान्त्रम् तळ्यं रायते देवारा दे द्वारा वें राया दे द्वा

व वै ट ग्रुट गुर र्चे द र्चे द व तथा रेचे र हुन । यद गोवा श्रुपाव । सुन वि व तथा वि व तथा वि व तथा वि व तथा वि देंबातळ्यबर्ग्न्रं क्रिना बेन् वेंबा बर्नु ब त्यया ह्यने प्येन ने निष्वे ब तुर्ग के त्या के निष्य के न स्वान्त्रचन्न्यः स्वान्त्रचन्त्रचन्त्रः स्वान्त्रः स्वान्त्र ्रह्मुं येगाया र्श्वेर्णुया सुपर्यो पति दे प्राप्त पर प्राप्त प्र प्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त त्र्र्चिण मंत्रिया क्री त्र्ये द्री द्री द्री हो अदेतं चर्चण दरा अदतं अतं क्रांत्र क्रांत्र क्रांत्र व्राप्त क्रांत्र क् ब्रुंबाचेबबाद्धताब्दराद्धवाहे प्रचर्र हे ब्रुंदर्भें प्राप्ती क्षेत्र वे लटी इत्यादे ह्या विषय प्रचित्र वी विषय समुन्द्र होन्सूर्यक्षे त्राप्त्र प्रत्या कन्यावे से त्राप्ति हो त्राप्ति हो त्राप्ति हे या हिन्द्र स्वाप्ति स्व

५र्वे[बार्यदे :य5्द्र :यय:ये5:य:५८१ तर्ळे नन्दर्भें तक्षेत्र होवान् नुसन्ताव स्वार्येन् यया कुराधवा पारान्दे वाव्या स्वार्यान् न्वान् नुस श्रेंद्र वायाया श्री त्यूर च केंद्र चें विवा श्रुट से दा

म् अ.क्टर-ट.स्वीयाक्षी, वीवयाक्ष्यानु रचाव प्रवास्त्र विद्यान्त्र स्थान्त्र विद्यान्त्र स्थान्त्र स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्य स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्य ब्र्यम्भित्व। हेबाबी विवस्ति स्त्राची देर्द्र श्रेय्वी देश्या हेन्य प्रति । ध्रिया विवस्त्र प्रति । स्वर्या विवस्ति । स्वरंपा विवस <u> તિવા દ્રા, ભુવા, પૂર્વ, ત્રાન, ક્ષે, કૂર્વ, ૧૧, જાયા જે ૮, વરા, ફુરા, ભૂવે, ભૂર, ૧૧, ટ્રા, ના ક્રુટ, વાલું ૧૦, વાલુ</u>

इणया श्रीन नगर हो र तहे व होंना त्रीत्रक्ष त्रिया होता के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास्त्र के स्वास् स्वास्त्र के स्वास् कट्या चुट्यायमा क्रिंच क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र प्रति क्षेत्र क्ष यावर्षः स्थान्युट्ट स्पेन्। तिनुः वे प्रटान्ट कुयापुना क्षे अळवा स्वयान्य स्थाने त्या के स्थाने प्रवेद प्रकेश से कि स्थाने स्वया स्थाने स्वया स्थाने स्वया स् स्रवे ग्रीक ग्रुट ग्रुट में दर्भ अक देव स्रुप विदाय के प्रतिकार तकर निर्देश होते हैं हो है है जिस में निर्देश में महिला है के श्रुट है जो अ यादाअर्ग्गेयाबासुं पर्से बार्च प्रेस्त स्वाप्त के बार के ब स् वृद्धः द्वात्ता अवत् वित्तित्ता नवृत्वा विवानिक्त विवानिक्त विवानिक्त विवानिक्त विवानिक्त विवानिक्त विवानिक् र्वेषां वारा होता व्यवस्था विष्या विषय के विषय

ल्या नित्र वित्य के त्या के त् त्वेन तेन्या संस्था न्या करते के ते क्षेत्र प्रकेश के प चर्चे व पति के मार्च ग्राम कर कर कर कर में प्रेन पना दुन स्नामन सुर हुर विन नी वर निन निन से विन पने र हिन हु (वन में प्रेन) ब्रैन्या १८७१ ते व्याप्त ते व्यापन्त वितायने प्रमाणिया के प्रमाणिया क વર્જું વાંત્ર પ્રેંત્ર પર તેતુ વરતે તે છું ક્રાળ્યેંત્ર પેંત્ર પે कें. चा क्वीना खा र्या देन प्रापट की : गुँद ने दान क्रोन जो देन जा के ने पर्य के पर्य के पर्य के पर्य के प्राप्त के प्राप  $\frac{1}{2} \left[ \frac{1}{2} \left[ \frac{1} \left[ \frac{1}{2} \left[$ 

ब्रुन्यते स्ट्रिंद्यं शुं क्षे वि स्वाप्त हेन् सुं क्षे क्षेत्र यह क्षेत्र क्ष શ્રેવા સ્ત્ર-પર્સે રાયાસ્ટાનવા રુવા ર્શેન ર્શેયા વધન रेअप्तंबिद ने ऋते प्रहेणका भ्रुण प्रमास्य संवास वास्त्र केंग्र का स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के स्वास के यःदेशायहेवःन्दा चन्नमान् वे में में ते हिं अधि तथ्य प्राप्त प्रचार में त्र में स्वर्ग स्वरंग स

न्त्वःया केंबाख्यबाराग्रेःर्ह्नेन्। कूँब-क्ट्-ट्रेबटब-वार्स्न-पश्च-पश्चित-भीचब-क्री-क्ट्रब-लीवाब-जय-ट्रेब-बेट्-। ट्र-क्र्य-वि-लीज-ट्र-स्थित-स्थित-वि-लीज-पश्च-भैतम् भैवा में भेवा में क्षेयार्विर्याप्ति । पूर्वेवायत्रीवराप्त्रीयर्थाय्ये पर्वेषाय्ये प्रवेषाय्ये । विष्ट्रियार्थित्याय्ये । प्रवेषा योर्डे पर्केष पश्चित्र होत प्रति वित्व पायहें प्रति वित्व प्रति प  $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \right) \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} \right$ बीट दें व'बी अर्द्धर ब'र्नादे मिवस द्विया बेंगाबा नहें बाबा व्यान हैं ने प्रति क्षेत्र नहें वें रायहाय ने दिन मुहार मिवा में बात के मिला है का है वह राम बु.वालूब्.क्षेट.वु.बूट.पविजालुब.त.रेट.श्रचष्य.वेश्व.वेश.त्यबट.वुर.पवाय.वर्ष्य.वु.लय.वेश.पवा.क्ष्य.व्या.क्षेत्र.क्षेत्र.क्ष्य.क्षेत्र.कष्णेत्र.कष्णेत्य.कष्णेत्र.कष्णेत् चंडमुर्येदमान्नात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रम् र्वेट व्यन्यन्ता न स्थापेट्या हिनान्त संदेव सुंयान्तर केनाया येना

चिर्षेचेक.ग्री.५.५२वे.ज.चक्षेत्र. ह्याचूर.जूर्य.जूरक.बी.र्यूच्य.जूरक.ची.च्यूच.जूर्य.ची.च्यूच.जूरक.ची.च्यूच.च्यूच.ची.च्यूच.च

म्बालाक्ष्यस्य प्रस्ति । स्वाति स्वा 

यवायाञ्च कवाबार्यास्त्री

ब्रिनःश्चिःशःनुस्याग्चैःर्छेषासुग्वायात्र्यः प्रतिः विनःश्वःत्रान्तः। विविषागाः स्वेष्यागुःस्यान्त्राण्याः स्विषागुः स स्विषागुः स्विषागु <u> इत्र्र्भुष्या त्यास्त्र सुस्तु सुस्तु विष्तृत्वाया देवीया संस्थाय संस्तृत्व स्त्र स्त्र सुन्य स्त्र स्त्र स</u>्त्र स्त्र स्त वया केंबा श्रीपाया के ने क्षेत्र के केंद्र या पादे कें भी वी वी वी वाय पाद पाद वी विशेषात्र के ती विशेषात्र के ती विशेषात्र केंद्र के विशेषात्र के व क्रियाया श्रीया क्रिया निर्माय में निर्माय क्रिया यहीत हो हो त्या रहेता स्थान होता हो स्थान होता हो स्थान होता हो स इ.म.चयाक्षेत्रयान्त्रे.लूट.वी.शूट.ता.शहर.ह्या.वी.म.च.व.च.वे.म.वया.वि.स.च.व्या.वी.श.व.ह्यां.स.स.व्या.वी.स.कू.च.व

म्बन्धः स्थ्यं ने न्दर् त्रं द्वार्चे धीन श्री ने द्वा

चार. क्षाचीरीय मुद्देय त्युरी चूरे. द्याया या विष्या स्थान र्चैट खेँगी हैं यह पानी खेट या अरेटी धट पूरी के जी दी अट के पार्चे पर्चे पाने हैं या की कि स्वर्ण की कि स्वर्ण की की पार्चे कि पार्चे क हुँ यह वा ची :र्येन प्राप्त प्राप्त प्राप्त होने :र्येन किया की विवास के स्थान के स्थान के स्थान के स्थान के स के प्राप्त के स्थान रैणबादी क्र.भ्बार्ख्यारेट्रा

चेबानेचा.स्यायम् द्वीयास्त्रायम् अस्त्रायम् अस्यायम् स्वायम् स्वायम् स्वायम् स्वयम् सर्वित् स्थायान् स्थित्यायान् स्थित् स्थायान् स्थायान् स्थायान् स्थायान् स्थायान् स्थायान् स्थायान् स्थायान् स याद्रा वहें वाहर स्वराया मुनावर्च वार्षेत् ब्रुवायते र कुवाविर वार्चे प्रवास विद्यार्चे प्रवास विद्यार 

क्रमा श्री वा त्या क्षेत्र 

त्त्रवायाः कृत्याः वित्याः स्तर्त्वात् वित्याः कृत्याः कृत्यः कृत्याः कृत विष्टानित सेंन् ब्रिट्यासु विसुन रचाया केन् नु बिच यह वा होन् नवीं यानित यस नेंद्राने हिन् रूट केंग्रानित स्वान सिरानु निहें या है।

त्यस्त्रेश्चित्रास्त्रास्त्रास्त्राच्याङ्ग्चीताक्षास्त्रास्त्राच्याङ्ग्वरावराष्ट्रस्त्राच्याङ्ग्वरावराष्ट्रम् व विद्याः श्वीयः स्त्रास्त्राच्याः स्त्रास्त्राच्याः स्त्राम् स्त्राम स्त्राम् स्त्राम्याम् स्त्राम् स्त्रम् स्त्राम्

कृष्वे क्रिवासी स्वाप्त स्व

बैंदिबन्दान्द्र बेंद्यीयायते यावर्द्र व स्त्रीयायते । चक्रुर्या बेंद्रिय्बनीयायते यावर्द्र व स्त्रीयाय

ยี่ 2.ส. ฮิ่ะ.ช 2 อ

मैं श्रे देवाबाचेवा लेखें स्वरं स्वरं त्यां स्वरं त्यां प्राप्त स्वरं त्यां स्वरं त्यां स्वरं त्यां स्वरं त्या स्वरं त्यां स्वरं त्या स्

त्रमाधिकात्वे स्वास्त्र स

भे रेपायवर्षः र्श्वेन प्रति । युव्तान्यर्श्वेन युः रिष्यान्य । युव्यान्य युव्यम्य युव्यान्य युव

शु- छैट क क्ट न्यतु स्त्री श्रे श्रे स्वास्त्री स्वास्

तिज्ञी ज्ञान्त स्वास्त्री स्वास्

यर्द्धरू राधिवा

द्र-प्र-प्र-प्रकारम्याः वीक्षःभ्रेक्षः पूर्व-प्रवाक्षः विकायाविकः श्री-प्रम्यां वीक्षः श्री-प्रकार प्रकार प्रवाद भ्रा स्वाद भ्री-प्रकार प्रकार प्रका

त्रास्त्रीवाबार्टा। अक्ट्यां स्ट्रीट्क्यां स्ट्रीट्क्यां स्ट्रीट्वां स्ट्रास्त्रा स्ट्रीट्वां स्ट्रीट

दे. एकुजा क्रिया प्रमुत्ति अकूट या प्रमुत्ति क्रिया प्रयोजा क्या उत्तर प्रमुत्ता क्षेत्र प्रमुत्ति अप्रमुत्ति अप्र

र्ट्याट अट राज्य की वा

ताना अर्थन विश्व स्थान तर विश्व विषय विश्व विश्व विश्व विश्व स्थान स्था

ट्या सटका म्रीया लु प्रसूची या त्राचीया वायेया प्रवाप हुं या त्राचीया स्वीय स्वीय स्वीय स्वाप स्वीय स

हुन श्रे त्रियाने व्यापित स्वापित स्व योवंबां द्वारा में विकार में किया में में किया म विगाला है या थें दा

्रवृष्ठियायुगरासुन् ग्विन करास्रायहाँ समासेन प्राया वर्षे क्रिया स्वाप्ता है स्वाप्ता समासे स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता 

गवन र्नेव निर्धि शेरी ग्रेशी भूरी

 $\frac{1}{2} \left[ -\frac{1}{2} \left[ -\frac{1}$ र्नुन्यत्र्येषाची बीन् हुषाण्यी तेन तर्व नते तिण्नुन्य वालायां के किन्द्र ने सामा के किन्नु किन्नु निम्नु के किन्नु किन्नु के किन्नु र्रेअपार्काकेंद्रे मुद्दा होते प्रमानिक मुठिमा बेशका मुठिमा में कार्येन 'रेम्बर के नुस्कार मुन्य रोम्बर में मिट स्थान मुन्य में मिट के कि से नुस्का में बिद के कि स्थान के मिल के मिल

य सुर्य चुर ठव धेव य ग्राबर्य रेंन अळें व थेंना

 $\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right)^{2} - \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2} \right)^{2} - \frac{1}{2} \left( -\frac{1}{2}$ र्यं के वृत्ये वृत्य व्याप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप म्याया के स्थाय के स्याय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्थाय के स्था के स्थाय के स् विषा वी शे ने संदर्भ भी ग्रान परि वर शे रेपाय पार्व वर पर में वाय में वर्ष में पर में वर्ष वर्ष के पर में वर्ष में से प्राप्त के से से मान पर में वर्ष के से मान पर में वर्ष के से मान पर मान प म्बर्देन मिलिते सेमार्थ से अपने विकासेन प्रतास केमार्थ है। येन प्रतास मिलित से मिलत से मिलित से मिलत से मिलित से मिलत से मिलित से देवा प्राक्तिक्षा विद्यास्त्र स्त्र में क्षेत्र के स्वाय स्व चंतुब्राम् कृषामान्त्रम्

विन पंचे हिंद्य त्युं वर्षे वर्षे । या बिद् प्रता ही क्षेण्य की प्रत्या या होता होते हो से प्राप्त होता वर्षे व

ૢ૾ૹ૾ઌૹ૽૽૽૽ૢ૾૱૱ઌૢ૽ઌ૽૽૱૽૽ઌ૽૽ૹ૽૽૱ઌૣૻૺઌ૽૽ૹ૾૾ૺ૾ઌ૽૽ૢૢૢઌ૽૽૱ૢ૽૱૽૽ૹૢ૽૱ૹૢ૽ૡ૽૱ૹૢ૽ૺઌ૽૱૽૽ૺૢ૾ૺઌ૽ૡૼ૽૽૾ૢૺઌ૽ૹ૽૽૱ઌ૽૽ૹૡઌ૽ૼૹ૽૽ૹઌ૽૽૱૽ૺ द्याका स्रोतित विकास के स्थान के स्था स्थान के चु नम्बर्स् अन् नम् नी नेर्न् हेब संवास त्वा हुँ न् ची सून वास निर्माण केवा वानिस्य सर्दे नम् निर्माण केवा से नम्बर्ध निर्माण केवा स्वास केवा से नम्बर्ध निर्माण केवा से निर्माण केव तिजात्तत्रवाक्षाक्षी, जबा चुर्ने, त्रवाक्ष्य जिवाबार्ट्य अंशाय ह्रांशाय क्ष्या प्रचीता व्यवस्था क्ष्या क्ष्या क्ष्या क्ष्या व्यवस्था अंग्रेशाय ह्या प्रचीता क्ष्या याना संज्ञेन द्धलान्ना चेनेवारा ज्ञेव द्धला सन्ता लाटका ज्ञेन त्या हिन्या महत्रा चार्ति वा वा विकास महत्त्र वा वश्चर्र्याचर्ष्याच्युराक्षेत्राची क्रियां यह क्रियां यह व्याप्त व्यापत व्याप्त व्यापत ૹૹૹૹ૱ૢ૽ઌૣ૽ૹઌઌૢ૽૽ૺ૾ૢૹૣઽૹૢ૽ૼઌ૽ૹૡઽૄ૽ઌૹૼઌૹ૽૽ૢ૾ઌૹ૿ૢ૽ૢ૾ૺ૱ૹૣૼઌઽ૱ઌૹ૱ૹ૽૽ૹૹ૾૽ૢ૽ૹઌ૽૽૱૱ૢ૽ૺઌૢૹૢઌૡઌઌ૽૽ૺઌ૽૽ૡ૱૱૱ ૡૼૢઌ૽ૺૹૹૹૹ૽૽ૡ૽ૹઌૹ૽૽૽૽ૹઌઌ૽૽ઌઌઌ૽૽૱ૹ૾ૢઌૹ૿ૢઌૹ૿ૢઌૹ૽૽૱ૹ૱ૹ૽ૹૹ૽૽૱ઌ૽૽૱ૹૹ૽૽૱૱૱ૹ૽ઌ૽૽૱ૹ૽ૹ૽૽ૺઌ૽ૹ૽ૹૢૹ ૾રેશું યા નિવાની શે ક્રયૂચ ગ્રીચ ન્યાન કેંદ્રે નર્સ્ય નહું માંચુન કેંદ્ર ને કેંદ્રે ના સ્થેન કેંદ્ર ને કેંદ્રે ના સ્થેન કેંદ્ર ને કેંદ્ર ને કેંદ્ર ને કેંદ્ર ને ક્રયું ને કેંદ્ર ને કરાયો કરી કે સામ તે કોંદ્ર ને કેંદ્ર ને કરાયો કરીયા એ તે કોંદ્ર ને કેંદ્ર ને કરાયો કરાયો કરીયા એ તે કોંદ્ર ને કેંદ્ર ને કર્યા કેંદ્ર ને કરાયો કર્યા કર્યા કર્યા કરાયો કરાયો કરાયો કરાયો કરાયો કરાયો કર્યા કરાયો ક <u> नर्वोबर्भेन व्येन या अनेन प्रबाध की व्येन या नमानी</u>

विद्यान्त्रात्त्रे सर्वो क्षेत्र विचयान्त्र प्रति विवाधिका क्षेत्र क्षेत्र

चिद्र न्तु जू क्रियाग्री सुवा रेनु र पूर्य यपु हो रे सेंट्य परी रेनु या सुर हो स्वा वी रामस्वाय या हूर हो अपार र वा स्व

स्वायक्ष स्वयक्ष स्वायक्ष स्वायक्य स्वायक्ष स्वायक्य स्वायक्य स्वायक्य स्वायक्ष स्वायक्ष स्वायक्ष स्वायक्ष स्व

१ च्रें-रिवोबाबावियाची नेटाविवा सर्छ में बाँदे हिंवा सर रटारटा बाँबेंटी स्वीवार्टिया वासीया विद्यासी विद्यासी म

८ ळेंदे हेन प्रवि केन यें या द्धया र्सेया गुरू व्याप राज्य हेन

अवार्यरं र्नुं चैदः तिष्ठुवार्यं दे र्नवार्यः त्र्यवार्मेद्वः श्रीः अंतुवः यस्र सेदायः स्रो विक्रां त्याविवारश्चित्रः श्रीः तर्मेद्रायः स्रोतः यस्त्र स्राप्तः स्रोतः स्राप्तः स्रापतः स्रापतः स्राप्तः स्रापतः स्राप्तः स्राप्तः स्राप्तः स्रापतः स्र स्रापतः स्

र्ने प्रविष् स्वर् स्वर् स्वर् प्रत्रेषा अर्बे परितर् स्वर् वाषा खेट्र परितर् के त्वर सियर के त्वर स्वर् स्वर तर्द्वाबाद्यां या जा का का विद्या ला वायाक्रे क्षेत्रा वे वात्र र पहेर हें त्ये वास्त्र विश्व प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख कर क्षेत्र के का विश्व प्रमुख हुन क्याञ्चयात्रीत्। देन् पहेवा बेट पृष्ठियात्र देवा वीयात्र हेन् यो स्वर्णा क्षेत्र यो स्वर्ण केत्र यो स्वर्ण क्षेत्र यो स्वर्ण क्षेत्र यो स्वर्ण केत्र यो स्वर्ण क्षेत्र यो स्वर्ण केत्र क्षे निर्याद्य निर्वेद्यं त्र्यूय निर्याद्य निर्वेद में प्राणीत निर्वेद निर्वेद में प्राप्त निर्वेद में प् ૄૹૄઽ૽૱ઽ૾૽ઌૣ૽ૹૼઌૻૹ૾ઌ૽ૹ૽૾૾૽ઽ૽૽ઽ૽ૡ૽ૼ૱ૹૡ૽ૼૼઽૹ૾૽ૢ૽ઽ૱૽ૺઌ૽ૹ૱ઌઽૢૹૹ૽૽ૺઽ૽૽ૢૻ૾૽૽ઽ૽ૹૻ૽ૹૡ૽૽ઽ૽ૢ૽ૹ૽ૢૼ૱ઌઌઌ૱૽૽ૢ૽૽૽ઌ૽૽૱૱૽ૺઌ૽ૹ૽૽૱ त्तु रबार्यर बेर् रक्षेर वेर त्विन ने नेवं कर्ण पर्मा रुष्ट्र विने त्रुष्ट्र ने विने स्विन स्वि त्वयायहूट्वा र्क्रेव्रेट्ट प्रश्चित्रकार्टेष्यात्वा त्वा त्वा ह्या ह्या ह्या स्वा स्वयायहूट विषय क्षा विषय स्वया . इंब्रुंबर छन्'ल गुबर प्रहेर हैं केंल कुँ हैं केंनु हे के कुँ व खेब लिने गुबर के प्रमान के किया है कि किया के कि ळॅदि दिन श्लेट येन पते मुर्बेन येट रॉबिन ने बाबी इयंबा प्रान्ट देवा श्लेन प्रान्ति । स्रोता स बिट तिष्वण यह से विकास के स्वार्थ के स्वार् ढ़ ट्रेंब. ८ ट्र्ब. ४ च्रुंच. प्रधितो. जटब. छूट . वेंच. त्यूंच. च्रुंच. प्रदेश. प्रचेंच. प्रध्याय. क्रुंच. प्रधे वाय. प्रध्याय. क्रुंच. क्रुंच. प्रध्याय. क्रुंच. क्रुंच. प्रध्याय. क्रुंच. क्रुंच ची.लूट्रें ता.चेट्रेच चेट्र.कूच.चेट्र.कु.एच्रेंच्ये.चट्र.कुट्र.कुट्र.कुट्र.क्ट्रेंच्यं क्रियाची.चेट्र.क्ट्रेच्यं चेट्र.क्ट्रेच्यं चेट्र.क्ट्र.क्ट्रेच्यं चेट्र.क्ट्रेच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्रच्यं चेट्र.क्ट्रच्यं चेट्रच्यं चेट्रच्यं

बट्टायां वात्र क्षेत्र त्या वात्र वात्र वात्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र वात्र क्षेत्र क्षेत ঘম:ৰা

प्रवीत्रात्त्र्यं क्रियः क्रियः क्रियः विकास्य स्थियः निष्या स्थियः निष्या स्थितः विकास स्थितः विकास स्थितः क्रियः स्थितः स्यातः स्थितः स्यातः स्थितः स्थित कुर्यस्वीत्तर्टा सूर्ेर्योबार्षेत्रकाः धुर्यात्व स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः सूर्यात्व स्वयः सूर्यात्व स्वयः सूर्य सूर्यायः ग्रीः वार्ष्यः स्वरः कुष्यः श्री श्रां श्रां श्रां स्वयः स्वयः सूर्यात्व स्वयः सूर्यायः सूर्यायः सूर् कृत्या चुटः प्रधिवात्वाचुः मृष्यः स्वरः सूर्यः स्वरः सूर्यः स्वरः स्वरः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर्यः सूर षियाया क्रींट म्बंद क्रेंद क्रेंद क्रेंद पर्दा निर्देश क्रिया विद्या है। अर्थ क्रिया क

न्दात्रळ्यसर्थे सेन्धिन पास्त्रम् स्वाधित स्वा

बर वियानु न्यान्य मार्च वियान नियाने वियाने वियाने वियाने वियाने वियाने वियान वियान वियान वियान वियान वियान वि ८व महिन ग्रीट क्रिंट मिल्ट के महिंद में प्रवाद में महिन अवद के महिन स्वाद मिल्ट के महिन से महिन स्वाद मिल्ट के महिन से न्मॅबाटेबान्नेवां रेन्। धेवावतर मॅन्रेवाबाबा सिवाबर के प्रमायवाव तित्र के स्वराधित के स्वर पर्वशर्से क्टरच या पान स्टूर चुरा से द्

मुःकेते बिट तर्चेष में हिंद बट रहें र तर्झे व रुव र्झे बाय नर्मे बाय न है बाय में व है बाद र तुन से प्रायम तरी द्रैणम् स्ति। ज्ञावर् ज्वेतं तुर्दा द्राया दे प्वविद्याणां विषया । स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स मॅंट के जिने अपने हिं के लिंद ने किया महिया किया के दोन पर कि के प्रमेश किया के किया मिल किया कि किया मिल किया के किया मिल किया के किया मिल किया मि

र्देशन न्दर्भ ५ रूट हैं येन्य प्रति र्देव हें व विने रेट्र

बेट त्रिया में हिल सुर्वेद रेवाल केट से यार्ल मां केंद्र त्रहेव प्वबुट मुल प्राट केंब पालय केंद्र तेल दुवारा धेव दिल है। सुर्वेद मीने बोन्दर्ग मीन्द्रम् मीन्द्रम् स्त्राच्या स्त्रम् स्त्राच्या स्त्रम् चंतुर चर्चे द यहुवा चे द पंतरे दे ते यह वा ब्रीट में वा वी इट चदे द ब्री चरत विवास केंद्र वा दिया के प्रति केंद्र विवास केंद्र वा विवास केंद्र वा विवास केंद्र विवास केंद्र वा विवास केंद्र विवास केंद्र

नुस्रम्यान्स्रम्याचेरी श्रीनान्यमः श्रीतायम् भ्रीतायम् । सार्त्रम्यम् । सार्त्रम्यम् स्रीतायम् । सार्यस्यम् स् क्षेण्यान् वयान्ययार्क्षेत्रान् वर्षान् वर्षेत्राचेत्राच्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्यात्रेत्राचेत्राच्यात्र्य वर्देन ह्या के न न न विर्मुह र देन की वर्देन पर्वेट के निर्मे प्रियोग के मान कर के निर्माण कर के निर्माण कर के सुण्यानाम् त्यवर स्यानुष्याचे प्राची प्राची स्थाप स्वाची स्वची स्वाची स् त्यः श्च.प्युच्यः स्वायः स्ट.स्व. प्यूचः प्यायः स्वायः प्यूचः प्यतः स्वायः स्वायः स्वयः स यन्ता श्रुप्त विष्ये प्रति । विष्यं क्षेत्र विष्यं क्षेत्र विष्यं क्षेत्र विष्यं क्षेत्र विष्यं विषयं विष्यं विष्यं विष्यं विषयं विष्यं विषयं व

पार्चे अंदित्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के अपने के प्राप्त के प्राप् त्वायान्त्रे न्वान्यस्य स्त्राच्यान्त्रम् ने याद्राचेत्रम् देवायाय्यात्यायाः स्त्राच्यायाः स्त्राच्यायाः स्त्र <u> न्यरबालान्य मित्र वी ख्रीन हुबान्दा कुलं विचा के ब्रियं बार्च के वा बार्च वा के वा विचाय के ब्रियं विचाय के विचाय के ब्रियं विचाय के विचाय के विचाय के ब्रियं विचाय के विचाय</u> *ॸ॑ॱॸॖॸॱॸऀज़ॹ॑ॱॹॹॎ॓*॔॔॔॓॔॔ॹढ़ॱऄ॔ॱॸॱॴॾऀॸॱढ़ॿॎॗॴॴॸॺॱॷॸऻॹढ़ॎॿ॑ॸॱढ़ॾऀॸॱॿॕॎॸ॔ॱॿऀॱख़ॸॱॺ॔ॱॿऀॱॾॖॕॖढ़ॱॼॗॸॱख़ॕॸ॔ॱय़ॱॸॸॱॴड़ऀज़॑<u>ॱ</u>ढ़ॕॱऒ॔ॴॾऀॸॱ॑ त्रिया विन तह प्राया प्रमुद्द अपकार हा दे प्रविद देश है का ही अर से तह द प्राया कर है का है। विद ति दे ते विपाद का है। मुद्रायमं दुःचन्द्रं चितृष् दुषाञ्चचष्रीयाः संवितादे स्ट्रियं सद्भवायाः भी तस्र चन्नं रुद्रं क्रिंच द्रियं वितायां स्त्रायां स् बुगारेना यन्त्रामा केर्यामा केर्याम केर्यामा केर्यामा केर्यामा केर्याम क हे.रेरीवाबाकरे.जावराजी.वीचेबाबीसिराजूरी

देन पहेत्र भ्रे निषंपदिते वित्र भ्रे विवापीय राष्ट्रीय वायस स्थाने सेवाय सर्वेट पान्ट विवास संस्थाने स्थानिया ।

<u>५८ क्ष</u>ें बूट क्षे प्रति प्रति स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप चूर-हुवोबाबा विजा ही: शु. ह्येवाबालबार्ट्स त्यूरी हु-जूवा हिटालबिवो खूरी तह वोबा खीरा राज्य वार्य विश्व विषय हो वी वार्य विश्व विषय हो विषय हो विश्व विषय हो विश्व विषय हो विश्व विषय हो विश्व विषय हो विषय हो विश्व विषय हो विश्व विषय हो विश्व विषय हो विषय हो विश्व विषय हो विश्व विषय हो विषय है विषय हो विषय हो विषय हो विषय हो विषय हो विषय है व हेर्नासुरगुंदर्द्र हुए हुं अर्था पहेर के दारित अर्दे गुतु हैं धैर्म पेंट्र हुर्भ हुँ गुर्म स्थाप हुर्म हुर्म स

ह्यम्बर्धितः क्रिवे स्वानिकः क्षेत्रः प्राप्तिकः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प विषयः देवा देवा क्षेत्रः स्वानिकः क्षेत्रः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक्तः प्रमुक् इम्प्रियाल्याक्षात्रक्षात्र्याक्षात्रक्षित्रक्षेत्रक्षित्रक्षेत्रक्षित् ष्यिं नट हॅट रें अर्थते नट श्रेन यम श्रेन करि ग्रन पति वट मी मार्थव वया तर्द अकेंट्र मार्श हुट यम न न न न मार्थ श्रे श्रेन प्या 

तर्गाः श्रुया

यवर्द्भव्यावर्ष्ट्रव्यावर्ष्ट्रव्याचा पते विरामी र के ते प्रमान के प यावनां द्धयां याचे या अद्धारं ने प्राप्त विकार या विकार य क्षेट्याच्ची के के स्वाप्त क्षेट्र संवाप्त क्षेट्र स्वाप्त स्त

चुलान देन कंन पाशुंबा दु दें जिला नशूना चुला केंग

े क्र-्रम्बिन्द्रः अधुन्द्रः वर्षे क्रेश्चेर्यः क्रेश्चेर्यः क्रेन्यः वर्षे क्रिन्यः वर्षे क्रिन्यः वर्षे क्रि १ क्र-्रम्बिन्द्रः अधुन्द्रः वर्षे देवे क्रेश्चेर्यः क्रेश्चे श्रुवः स्वाविद्यः क्रिन्यः वर्षे क्रिन्यः वर्षे व क्रैव.क्षेत्र.बु.चर्ने.यट.क्र्य.लुव्यंत्र.सूचे चुच्यंत्रविद्यंत्र.क्षेत्र.चे.क्ष्यंत्रव्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.क्ष्यंत्र.कष्यंत्यंत्र.कष्यंत्यंत्र.कष्य જ્ઞેયાપાયા શું પ્રવેત પાત્ર જેંત્ર યુવાનાય દે તેંયા શુંપાત્ર સત્ર વાલે જવાના વર્ષા પ્રવાસ પાત્ર પાત્ર સત્ર વાલે જેંત્ર યુવાના શુંપા

क्कॅ. अट. त<sup>र्</sup>. तर्ज्ञ्च. प्रे. क्र्याची. क्र्य. क्रीट. २. (जवा. क्रय. त्र. ब्रीवा. प्र. त. क्र्याचा. क्रयाचा. क्रयाचा. क्रयाचा क्रयाचा. क्रयाचा क्रयाचा.

त्र क्षात्र क्षात्र त्या क्षात्य

वसायस्यां अप्तर्भ क्षेत्र क्ष

वावर देव वाश्वया अट क्रिवाय ग्री तर्के नदे ह्रीना

यस्वाबाराषु देन श्रीट किये राषु ये ताबी जाना कु पूर्वा स्वाबाराषु देन श्रीट किये राषु ये ताबी जाना कु पूर्वा स्वाबाराषु देन श्रीट किये राषु ये ताबी जाना कु पूर्वा स्वाबाराषु स्वाबाराय कु प्रस्था ने पूर्वा कु प्रस्था में ताबी कु प्रस्था श्री स्वाबाराय कु प्रस्था क

ૡદ્ભાર વિદાય માટે કુલા તાલા કોળા વાલા શું વાલા તાલું કોળા ભૂર હાય તું હાય તું હાય તાલું હાય હોય. તાલું હોય તાલે હોય તું હોય તે હોય તું હોય તુ

ह्येत् ह्ये वियायरं वी व्येष्ठेवं श्वर श्रे त्त्र श्रित् प्रेर वी प्रेर वी प्रेर क वाश्वर स्र र मह्येर करें। ह्ये विषय श्रेर वाश्वर विवास स्र विश्वर ट्ट.क.चबित्रात्तीः क्रियात्त्र व्याप्तात्त्र विश्वास्त्र स्वाप्तात्त्र स्वाप्ताप्तात्त्र स्वाप्तात्त्र स्वाप्तात शर-र्रम् अन्तर्भः श्रुव-तातुः श्रियोबाक्रीचे नाटा प्रकाशनस्यो तान्ता हेत्रि । यूर्याक्षणः श्रुवा श्रुवे । यूर्या अपन्ति । वित्रे । यूर्या अपन्ति । विद्या अपन बीब या क्रुंब पञ्चेत्रा बीब यान्य प्रीमा क्रुंमा क्रुंमा क्रुंमा क्रुंमा क्रुंमा क्रुंब या बार्स स्वाय क्रुंब प्रोमे क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रिंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रुंब प्रायम क्रिंब प्रायम क्रिंब प्रायम क्रिंव प्रायम क्रिंब प्रायम क्रिंव प्रायम क्रिंब प्रायम क्रिंव प्रायम क्रिंव प्रायम क्रिंव प्रायम क्रिंव प्रायम क्रिंव क्रि बर्या महिता है से स्वाप्त के स्व चीयः प्रचेबः प्रमुद्धः मुद्दः स्वात् । स्वतः स्वात् । स्वतः स्वात् । स्वतः स कर.शु.रमश्चीयम् अ.मीय.पर्ययाम् मुप्तः मुप्तः मुप्तः मुप्तः प्राप्तः मुप्तः प्राप्तः मुप्तः प्राप्तः मुप्तः मुप कर.शु.रमश्चीयम् अ.मीय.पर्ययाम् मुप्तः मुप्तः मुप्तः मुप्तः प्राप्तः मुप्तः प्राप्तः मुप्तः प्राप्तः मुप्तः मुप्त र्न्ह्यार्थेर्-भी मंत्रमञ्जूतायमाम्बर्धान्यक्ष्मं प्राप्त निक्षान्य स्थान । सर्ने मन्त्रमञ्जूता स्थान स र् भु नहें न मुन्दें न मुन प्रॅंब निर्धित विष्ठ के विष्ठ ब्रुन्द्वेतरम् विष्कृत्यात्र अञ्चरम् विष्कृत्यात्र स्त्रेत्य प्रमाने विष्कृत्य प्रमाने स्त्रेत्य प्रमाने स्त्र विष्वेत्र प्रमाने स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स्त्रेत्य स् यट क्रिया या की तर्के ने ते वार्य महिला ख्रव की या खर कि या की या की कि या की कि या की कि या की की की की की की चूर सुवीय याषिन पर्दु रेवी त्रवृत्य पर्वू जानियान येथा त्री हिंदा निर्देश कर महिंदा निर्देश कर विश्व हिंदा है। वायाणा ही ह्यवाया सुरान्ति भूर हाया के के दे विदायया निर्मात है के दे विदायया निर्माय के के दे विदायया है के दे विदायया है के दे विदायया है के देवाया है के देवाय ट्रेड्बर्स्ट्रियाकाकाष्टियाला कुन्ने कुन्या कुन्या विद्या कुन्या न्द्रत्र्विन व्यक्षं वर्ग्ने स्तुन् क्ष्यं बाक्षेत्रं वर्षने व्यन्ति वर्षने वर्षने वर्षने वर्षने वर्षने वर्षने ૹૢ૾ૺ૱ૹઽૹૢ૱૱ઽ૮૽૽ૹૡ૿ૺઌૡ૱ૹૢ૽ૺઽઌૣૣૹૣઌૣૺ૱ૹૺૺઌૹ૱ઌૢ૱ૢઌૢ૱ૹૺ૱ૹ૱ૡૢૺઌૡૢૡૺ૱ૹૢ૾ૺ૱ઌૢ૱૱૱ ૡૢૺ૱ૹઽૢૹૢઌૺ૱ૹૢ૾૽ઌૢૢૢૣૣૣૢૢૢૢૢઌૢઌૢ૱ૢ૽ઌઌૢ૱ૢ૽ૹઌૢૺૺઌૺૺૺૺ૾ૺૺૺઌઌૢઌ૽૽૱ૹૡૢઌઌૢઌ૽૽૱ૹ૽૽ઌઌૢઌ૽ૹૢઌૡૺઌઌૢઌઌૢઌ स्वान्त्राभी स्वा हेंग्राणी कर प्रवित्याया प्रवित्राचारा विषय के से के से कार्या के किया में किया में किया में किया में किया के क अर्देन वा बे नियम वा के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के का की प्राप्त के का की प्राप्त के का की प्राप्त के का की का कि का प्राप्त के का की का कि का क

७ अळॅॱकॅ्व'र्ट्टाम्बर'त्रुं'तेब्द्रिंट केव्यवित्रात्तीं स्वेट्ट रेव्यायात्वेत्यात्रात्त्र स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्यात्र स्वेत्य स्वेत्य

चन्नत् भी स्ति वर्ष्ट्र स्ट्रियाय में ते विद्या के प्रति प्

केव) ग्रेनुरायवाद्यानुष्टरायविवार्येन्।

इत निश्चार क्यांचान्त्र स्वांचान्त्र स्वांचान्त्य स्वांचान्त्र स्वांच

त्र-प्रमेन् वी अनुर्म्न क्रि. याच्या विक्र क्रि. याच्या प्रमान क्रि. याच्या प्रमान क्रि. याच्या क्र विच. याच्या क्रि. याच

देर पहेन यम होर सर दश्चेमाय माया ही हुर अन हम से हुमा मी स्पर् सरी

 $\frac{1}{2} \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} \right) \left( \frac{1}{2} + \frac{1}{$ 

देश्यः अटक्ष्यं अत्याद्यं त्यात्र स्वाद्यं स्वा

च्चाक्टर अर्जुवाबानु स्ववाबर राष्ट्रीयां वर्ष रेवाक्वा स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य अर्जुवाबानु स्ववाबर राष्ट्रीयां वर्ष रेवाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष स्वाक्ष्य स्वाक्ष स्वाक्ष्य स्वावक्षय स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्वाक्ष्य स्व

र्येर् व अळे क्रॅब्लिट केव भा है (वृट र्)हॅट पो चेव अर्द र्वॉव रु वेट यदि र पाव र रेव र र र विव र यदि व पाव या विव क्रिय र या विव र यदि र या यदि र यदि र या यदि र यदि र या यदि र यद

ૹુટ.૽ૢૼૺ.ઌૹૹ૽૽ૼૹ૽ૣૼૻૡૼ૱ૺઌૺ૾૽૽૽૱ૹ૾૽ૺઌૺૹ૽ૼૺૡૢઌૺઌૺૺૺૺૹઌ૽૽ઌ૽ૹૹૹ૽ૣ૽૱ઌૢઌૺઌઌ૽૽ૺ૾ૡ૽ઌૺઌઌઌૹૹ૽ૼૹઌઌૺઌઌઌ૽ૺઌૣૹૣ૱૽ૢૺઌૹઌ૱૽૽ૺૹ · युष्य च्चेन् प्राप्त के वि: क्षेत्र हि: ब्यून प्राप्त प्र <u>बिंद् कुँ क्षु</u>ॅबर्दर क्रिंग राष्ट्राय प्राप्त वार्ट्य राष्ट्राय कर्त क्षेत्र क्

दे ऋषे जावन स्थान प्राचीन मान्य के निया में कि का मान्य के निया में के निया में कि मान्य के निया में कि मान्य

युर्-पुर-युर-र्नुडर-दर्घन क्रिंगुंब गुर्डि प्युर-संदु थे सुदु यर पुर्वित स्थानित हे वृत्य युर-पुर-ग्वर बुद बिर-के व श्री हुत हे रूट सेंदि । यमप्रवाद्याद्यात्र न्यात्र प्रवादान्य विद्याचे माने सुतु दिया के देश होता प्रवाद माने हैं हिए हुन है। हिंदा मुद्दा हो है से स्वीद सुत्र है। हिंदा मुद्दा है से स्वीद सुत्र है। है से सुत्र सुत्र सुत्र सुत्र है। है से सुत्र स कृषे श्रियः सेष्ठः प्राप्तः वीयः प्रत्यः पर्युत्तः विदः कृषे श्रियः विष्यः स्त्रियः स वर्चेर या योगांबा चर्चे वा निर्मा बा निह्न विद्युवा कर्मर वा में हिन की हो निर्में वा बार वा बेर वा वा बेर हेबाबु अब दें व खें वा की वा दें व कवा पर्छ वा के बाद र दें वा खान को पर दें वा दें वा दें वा की वा का की वा मबि देश वर्षां संघर राष्ट्रियं चुंबिम चुर्षा वर्षे देशेन महैं सेन पर्स संवर्ष अविम यम चुर चुर्षा केन स्वा बिट राष्ट्रिये चुँही राष्ट्रा चुन श्चीट्राजी तक प्राप्त मान्य प्राप्त स्थापा होते । इत्यापा होते । इत्यापा होते । इत्यापा होता । इत्यापा होत ब्रुट्रां आपवर ग्री प्यां अपरेता विंदर में पर क्रिक्त प्रकार में प्रकार के प्रकार के अपने क्रिक्त कर जो क्रिक् अर्बे के कार्य के के प्रकार के प्रकार के का क्षेत्र के का अपने के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के नविव मदि अर्केव ह्या शरीया रेना

बै'र्ह्में बार्के'र्क्ट्रेवा मार्चु सुंखु "सुवाववा बेंगवा ग्री:विटाकेवाचित्रे विटानेवा वाका वाला मार्चिता मार्चे स्वीता मार्चिता स्वीता चषुषुं सूर् स्वाबं अविता ही रहूँ अलूर वाये अक्षित रेट रहू असी ही ट्रिय स्वीय अक्षित ही जाता स्वीय स्व खु-नर्वाबान्याचे के सेंद्री वाया श्रीनित्त क्षेत्र खुबा के न्यून त्रिया स्वाप्त क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र खुबा क सुद्र नरिता वाया के सेंद्री वाया श्रीनित्त क्षेत्र खुबा के न्यून त्रिया स्वाप्त क्षेत्र क्ष

 $\frac{a \cdot B \cdot A \cdot A}{a \cdot A} = \frac{a \cdot A \cdot A}{a \cdot A} = \frac{a \cdot A \cdot A}{a \cdot A} = \frac{a \cdot B \cdot A}{a \cdot A} = \frac{a \cdot B}{a \cdot A} = \frac{a \cdot$  $\frac{1}{2} - \frac{1}{2} - \frac{1}$ र्न्यायर पहें या दें या दें ये पहें हो पर दें के कि पर ती की के प्रति के पर के प्रति के पर के प्रति के पर के प

मुेव गर्डे र्ने धेव सन्दर्ग रेग

कु.य.विज्ञाबटाजट्यां मुट्टायवियाः कुट्यां कुष्ट्यां कुष्ट्यां मुट्टा हुं या प्रतियां जट्यान प्रतियां जट्या मुट्टा विवासियां के प्रतियां जट्या मुट्टा विवासियां मुट्टा विवासियां के प्रतियां जट्या मुट्टा विवासियां के प्रतियां जट्या मुट्टा विवासियां के प्रतियां जट्या मुट्टा विवासियां मुट्टा

) સજવ સજસ્ત્રાત્વનું મહત્વા સેવાન સેવાન સેવાન સેવાન સેવાન સ્થાન સેવાન येण्यानिका इंद्रंपदेव भिव अवा क्षण प्रमेश र्येत् अर्च मानिका की मानिका के प्रमानिका 

मूक् ब्रिन् की ब्रुक्त मार्थ हूं मार्थ हूं बर् के ब्रुक्त हो में प्रोट विषे के मार्थ हो मार्थ में मार्थ मे योगवर र्न्ट्रा र्नायर श्रूपोर्न्ट्र केंब्र यगवा यह र्चेन्ट्र क्यांबर केंद्र र्चेन्ट्र येथे राह्न क्यांबर र्चेन्ट्र व्यापा यह विद्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स

चब्रज्ञाचीविवान्तर्द्युं क्वेंट्य क्वे

लब.डोर्-पूर्य-खेर्यक.त्र-त्र-अक्ट्र्य-ब्र-द्रयाबाबाद्धेबालूर-तःङी ऱ्याबावाडुवा.चु.२८.त्र्याची.रक्ट्रयाबावडुवा.बी.र्याचाडुवा.बी.र्याच.बी.र्याच.बी.र्याच.बी.र्याच.बी.र्याचाडुवा.बी.र्याच.

तक्षमानिन प्रेन् हेटा कें सेंदे सावया ही निवस ह्या प्राट का हुस पेंद्र राजेंद्र

दर्म मुच-दर्म स्वयाक्ती तर्म मुच-दर्म त्या स्वर्ण स्वयाक्षी स्वयाक् स्वयाक्षी स्वयाक्

में श्रे त्र्वा केषायत अध्य क्रिया में प्राप्त में श्रे त्राय में श्रे त्राय में श्रे त्राय क्रिया में श्रे त्राय में श्रे त्

द्यांपूर्या के कुचे तूपु ट्ट. ट्रमूट्य त्यांचुंच को क्रींच को क्रींट को क्रिंट त्य त्यांचा के कुचे तूपु ट्ट. ट्रमूट्य त्यांचुंच को क्रींच को क्रींच को क्रींच त्यांचा के क्रियं त्यांचा क्रियं त्यांच त्यांचा क्रियं त

ุ ปพลเฏิ นั้รุนาริรา

द्रमा का क्षेत्र हो हो स्वाका के के स्वाका का क्षेत्र हो हो कर का क्षेत्र के स्वाका का क्षेत्र का क्षेत्र का क स्वाका का स्वाका स्वाका के स्वाका के स्वाका का कि स्वाका का स्वाका का स्वाका का के स्वाका का के स्वाका का स्व स्वाका का स्वाका के स्वाका के स्वाका का स्

र्याट्यायार्चे प्रतः श्री कें विवाद प्रतः त्यापाया के श्री के विवाद प्रतः त्यापाय के प

बुँग्नां गुन्य स्टं त्या पें पुरायते वुंग सुग्नां कर स्याय दें व पुर्वां न

देंर पहें बरिया के के दें के दें के दें के के कि के

मुबिदे : विन् सुं अद्युद् : तेन्य वित् । क्षे द्रम् अद्युव : त्युव : ब्रियाचित्रे दिवाक्रिवा क्षेत्रा प्रक्रिते ते पानि क्षेत्र क्ष ग्रेन्स्रवयः वादः द्वरः ग्रेयः खिरः र्वे प्यादः चार्त्रदः मुद्देवा त्वावायः क्रेंद्रः वावदः क्रुः ने प्येवा

सर्ने र प्रमुख क्या प्रमुद का देश में विवा वी से द्राम्य सम्भाव के वा का है र प्रमुख का का सम्भाव का समित का सम्भाव का समित का सम्भाव का समित का स चर्। यस्त्रिक्षिक्ष्यं श्रुविक्ष्यं स्वर्धित्व स्वर्धित विक्रामी स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्धित स्वर्य स्वर क्कें टर्न्ट्रियुन्य हिन्दे के खुट्ने च लिया यह रहे। क्कें ब्राक्त चेंद्र ने युन्य के हिन्दे चेंद्र ने किया के यो चन्ने न्याय चित्र के किया के स्वाप्त के वृद्धेर्यक्षेत्र्यात्रेणमञ्जूद्दान्त्र्यात्र्वेष्ट्रयत्र्यः कृत्यात्रः वृद्धेष्ट्यात्रः वृत्यात्रः वृत्यात्रः व वृद्धेर्यात्रेष्ट्रयः वृत्यात्रः विवास्यः प्रतिकृतियः वृत्यात्रः विवासियः विवासियः विवासियः विवासियः विवासियः

क्ष्यात्यम्बर्गान् क्षेत्रम्बर्मम्बर्गे त्यस्त्रम्बर्गे त्यस्ति वर्षात्रर वी वार वेषा भ्रूवा प्रवेष अर्जेया के दार प्रवेश ही पर पर हैं का ही या के दाय के वा के किया

ल्य स्त्रेचे पिट ता देव के स्वरास्य क्षेत्र देव स्वरास्य क्षेत्र प्राप्त स्वरास्य स्वर स्वरास्य स्वरा 

नर्गों न र्खेंना

. १०१ हे ब र्स् : क्रें क्र ब्यू टे ट्रि : क्रें क्रुब : ब्रूट : ब्रें प्रहें व : प्रें : देश : चरुत : प्रें व